Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 155
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
ग्वालियर ,04 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

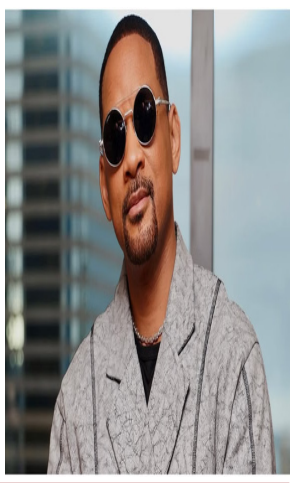

3 माघ मेला 2026 का शुभारंभ, सीएम ने दी

4 दुनिया को संयुक्त राष्ट्र की जरूरत है

5 उत्पीड़न के आरोपों से घिरे विल स्मिथ, एक्टर ने तोड़ी चुप्पी; इल्जामों को

न्याय करूणा और प्रेरणा की हैं मिसाल:पीएम

पीएम ने सावित्रीबाई फुले और रानी वेलु नचियार को अर्पित की श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को सावित्रीबाई फुले को एक महान समाज सुधारक करार दिया, जिन्होंने सेवा और शिक्षा के माध्यम से समाज के परिवर्तन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सावित्रीबाई फुले की जयंती पर, हम एक ऐसी महान महिला को याद कर रह हैं, जिन्होंने सेवा और शिक्षा के माध्यम से समाज के परिवर्तन के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले समानता, न्याय और करुणा के सिद्धांतों के प्रति समर्पित थीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि फुले का दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली साधन है और उन्होंने अपना जीवन ज्ञान व शिक्षा के माध्यम से लोगों के जीवन को बदलने के लिए समर्पित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वंचित और हाशिए पर खड़े लोगों की देखभाल में फुले की कार्य सेवा और मानवता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि फुले की दूरदृष्टि समावेशी और सशक्त समाज के निर्माण में राष्ट्र के प्रयासों का मार्गदर्शन करती रहेगी। प्रख्यात समाज सुधारक ज्योतिबा फुले की पत्नी, सावित्रीबाई फुले का जन्म 1831 में महाराष्ट्र में हुआ था और उन्हें कई लोग भारत की पहली महिला शिक्षिका मानते हैं। उन्होंने महिलाओं, विशेष रूप से वंचित समूहों की महिलाओं को शिक्षित करने में अग्रणी भूमिका निभाई और वह भी ऐसे समय में जब महिलाओं की शिक्षा को उतना महत्व नहीं दिया जाता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को स्वतंत्रता सेनानी रानी वेलु नचियार को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में श्री मोदी ने औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई में रानी नचियार की बहादुरी एवं नेतृत्व को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्रानी नचियार की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। उन्हें भारत की सबसे वीर योद्धाओं में से एक के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने साहस एवं सामरिक निपुणता की मिसाल पेश की। उल्लेखनीय है कि शिवगंगा रियासत की रानी नचियार को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के प्रतिरोध में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। ऐसा माना जाता है कि वह ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के खिलाफ युद्ध छेड़ने वाली पहली भारतीय रानी थीं। प्रधानमंत्री मोदी ने देश की स्वतंत्रता एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति रानी नचियार के समर्पण को रेखांकित करते हुए कहा, उन्होंने औपनिवेशिक उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाई और भारतीयों के स्वशासन करने के अधिकार पर बल दिया।

प्रदेश में परिवार रजिस्टर में अनियमितताओं पर धामी सरकार सख़्त

प्रदेशव्यापी जांच के दिए निर्देश

देहरादून (एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें प्रदेश में परिवार रजिस्टर में अनियमितताओं को लेकर प्रदेशव्यापी जांच के निर्देश गए। प्रदेश में परिवार रजिस्टर में सामने आ रही गंभीर अनियमितताओं को देखते हुए धामी सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। उच्च स्तरीय बैठक में सीएम धामी ने प्रदेशव्यापी जांच के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के सभी जिलों में उपलब्ध परिवार/कुटुंब रजिस्टरों की प्रतियां तत्काल संबंधित जिलाधिकारी के पास सुरक्षित रखे जाने के लिए कहा गया, जिससे अभिलेखों में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ की संभावना न हो। साथ ही, परिवार रजिस्टरों की गहन जांच सीडीओ/एडीएम स्तर पर कराए जाने का निर्णय लिया गया। सीएम धामी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह भी तय किया गया कि जांच का दायरा वर्ष 2003 से अब तक रखा जाएगा, ताकि पूर्व वर्षों में हुई संभावित अनियमितताओं की भी पहचान हो सके। फर्जी दस्तावेजों के आधार पर नाम दर्ज कराने वालों के विरुद्ध नियमानुसार विभागीय व कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सीएम धामी ने परिवार रजिस्टर का पंजीकरण एवं प्रतिलिपि सेवाएं पंचायत राज (कुटुंब रजिस्टरों का अनुरक्षण) नियमावली, 1970 के अंतर्गत संचालित होती हैं। नियमों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले प्रत्येक परिवार का नाम परिवार/कुटुंब रजिस्टर में दर्ज होना अनिवार्य है।

दिल्ली-एनसीआर की हवा हुई साफ, लेकिन येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी में शनिवार सुबह हवा की स्थिति में मामूली सुधार दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग (आईएम डी) ने सुबह के समय घने कोहरे के कारण श्येलो अलर्टश जारी किया। इस कोहरे के कारण दृश्यता प्रभावित रही। सुबह करीब आठ बजे राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 235 दर्ज किया गया। दिल्ली के आनंद विहार में एक्यूआई 248, रोहिणी में 270, आईटीओ में 219, इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा में 148 दर्ज किया गया। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को खराब मौसम के कारण 72 उड़ानें रद्द रहीं और 300 से अधिक की उड़ानों की आवाजाही में देरी हुई। दिल्ली में आज सुबह कोहरा नहीं था, लेकिन देश के दूसरे हिस्सों में कोहरे के कारण वहां से आने वाली और वहां जाने वाली उड़ानें रद्द रहीं। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विमान सेवा कंपनियों ने आज दिल्ली आने वाली 34 और यहां से जाने वाली 38 उड़ानें रद्द कीं।

पौष पूर्णिमा: कौशांबी में गंगा तट पर उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, लोगों ने लगाई डुबकी

कौशांबी (एजेंसी)। ।कौशांबी जिले में विभिन्न गंगा घाटों पर शनिवार को पौष पूर्णिमा पर स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भारी गलन और ठंड के बावजूद दोपहर तक दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाकर पुण्य अर्जित किया। पौष पूर्णिमा से पौष माह का समापन और माघ मास स्नान की शुरूआत हो गई। पौष पूर्णिमा के अवसर पर आज तड़के से ही श्रद्धालुओं का शीतला देवी धाम कड़ा के कुबरी गंगाघाट में आगमन शुरू हुआ जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होने लगी। लोगों ने गंगा में स्नान के बाद फूलमाला दूध, धूप दीप से गंगा मैया की पूजा किया। अधिकांश श्रद्धालु गंगा-स्नान के पश्चात शीतला देवी मंदिर पहुंच कर माथा टेका देवी दर्शन कर पूजा अर्चना किया। कुबरी गंगाघाट के अलावा यहां कालेश्वरघाट, बाजारघाट, हनुमान घाट, गुजराती गंगाघाट मेंभारी संख्या में गंगा स्नान किया। इसी क्रम में श्रद्धालुओं ने अफजलपुर सातों, लेहदरी, शहजादपुर, काकराबाद, संदीपनघाट, पलहना घाट, फतेहपुर घाट पर पहुंच कर गंगा स्नान किया।

'भाजपा एक सांप की तरह, अगर आप अपने आंगन में...', ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक का भाजपा पर बड़ा हमला

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में राज्य की राजनीति में सियासी बयानबाजी ने जोर पकड़ा हुआ है। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच वार-पलटवार का दौर जारी है। इस बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भाजपा की तुलना सांप कर दी है। अभिषेक बनर्जी ने शनिवार (03 जनवरी) को भाजपा पर बड़ा जुबानी हमला किया। उन्होंने अलीपुरद्वार में एक कार्यक्रमम के दौरान कहा कि भारतीय जनता पार्टी एक सांप की तरह है। इतना ही नहीं टीएमसी सांसद ने एसआईआर के दौरान कथित तौर पर गलत तरीके से वोटर लिस्ट से नाम हटाने के मामले में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भी निशाना साधा। '...तो आखिरकार वह आपको काटेंगे ही' अभिषेक बनर्जी ने अपने बयान में कहा कि भाजपा एक सांप की तरह है। अगर आप अपने आंगन में 1 या 18 सांप रखेंगे, तो आखिरकार वह आपको काटेंगे ही। इस बार आने

वाले चुनावों में यह पक्का करें कि अलीपुरद्वार में कोई सांप न रहे। 'मैं भाजपा से 10 गुना ज्यादा जिद्दी हूं' कार्यक्रम के दौरान टीएमसी सांसद ने कहा कि मैं भाजपा से 10 गुना ज्यादा जिद्दी हूं, और इस तरह के बर्ताव के आगे सिर्फ भाजपा ही झुकती है। आने वाले चुनावों में ईवीएम के जरिए उन्हें सबक सिखाने के लिए लाइन में खड़े हों। जो लोग संविधान बदलना चाहते हैं, उन्हें आखिर में सत्ता से हटाना ही होगा। ज्ञानेश कुमार को बताया 'वैनिश कुमार' उत्तरी बंगाल के अलीपुरद्वार में रैली को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने वोटर लिस्ट के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चुनाव आयोग पर सीधा निशाना साधा। बनर्जी ने आरोप लगाया कि योग्य मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से लिस्ट से हटाए जा रहे हैं। कथित तौर पर गलत तरीके से मतदाता सूची से नाम हटाने को लेकर बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को 'वैनिश कुमार' कहा। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ₹क्या आप ज्ञानेश कुमार को जानते हैं? वह एक जादूगर हैं। वह जीवित लोगों को वोटर लिस्ट से गायब कर सकते हैं और मरे हुए लोगों को चला सकते हैं। वह अब 'वैनिश कुमार' हैं।

दिल्ली विधानसभा में अटल-मालवीय को सम्मान, यह गर्व का क्षण:राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को दिल्ली विधानसभा में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी और पंडित मदन मोहन मालवीय के चित्रों का अनावरण किया और इसे गर्व का क्षण बताया। इस अवसर पर बोलते हुए सिंह ने कहा कि इन महान हस्तियों के चित्रों का अनावरण हमारे लिए गर्व का क्षण है, लेकिन यह हमसे एक अनकहा प्रश्न भी पूछता है: क्या हम उनकी मूल्य प्रणाली को अपनाने और उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं, और क्या हम उसी ईमानदारी, सहानुभूति और दूरदर्शिता के साथ काम कर रहे हैं? इस संबंध में, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 1 जनवरी को दिल्ली पुलिस सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई थी, जैसा कि एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया

है। इन चित्रों को विधानसभा भवन में स्थापित करना इन दो राष्ट्रीय हस्तियों के भारत के लोकतंत्र, शिक्षा, संस्कृति और सार्वजनिक जीवन में किए गए अमूल्य योगदान के प्रति गहरी श्रद्धा और एक स्थायी श्रद्धांजलि का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में ₹भारत माता₹ नामक एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया, जो चित्रकला, वास्तुकला और साहित्य के माध्यम से व्यक्त भारतीय राष्ट्रवाद को दर्शाती है। यह प्रकाशन भारत की राष्ट्रीय चेतना की रचनात्मक और कलात्मक अभिव्यक्ति को समर्पित है और राष्ट्रगान वंदे मातरम की रचना की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में प्रकाशित किया गया है। केंद्रीय रक्षा मंत्री मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष पद्म भूषण राम बहादुर राय विशिष्ट अतिथियों के रूप में शामिल होंगे। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में दिल्ली सरकार में विधायी कार्य मंत्री परवेश साहिब सिंह और दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट शामिल हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष ने की। विज्ञप्ति में बताया गया है कि राष्ट्रीय दिवस के उपलक्ष्य में, साहित्य कला परिषद के कलाकारों ने भारत की समृद्ध कलात्मक और राष्ट्रीय विरासत को प्रतिबिंबित करते हुए एक देशभक्तिपूर्ण सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

'अजित पवार की एनसीपी का शरद पवार से विलय हो'

संजय राउत ने महायुति छोड़ने की दी सलाह

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर बयानबाजी तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी को शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) में विलय करने की सलाह दी है। राउत का कहना है कि जब पुणे और पिंपरी-चिंचवाड़ नगर निकाय चुनाव में दोनों गुट साथ आ गए हैं, तो फिर अलग-अलग राजनीतिक राह पर चलने का कोई औचित्य नहीं बचता। राउत ने सवाल उठाया कि अगर अजित पवार भाजपा पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, तो फिर वह महायुति सरकार में क्यों बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि अजित पवार को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार छोड़कर शरद पवार के पास लौट आना चाहिए। राउत के मुताबिक, मौजूदा हालात यह संकेत दे रहे हैं कि अजित पवार की राजनीतिक दिशा बदल रही है। भ्रष्टाचार के आरोपों पर सियासी टकराव संजय राउत ने कहा कि अजित पवार और भाजपा एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। ऐसे में दोनों का एक ही सरकार में होना जनता को भ्रमित करता है। उन्होंने तंज कसते

हुए कहा कि जब आरोप इतने गंभीर हैं, तो सत्ता में साथ बने रहना समझ से परे है। पुणे-पिंपरी चुनाव में साथ राउत ने इस बात पर जोर दिया कि पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम चुनाव में एनसीपी और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) का साथ आना राजनीतिक संकेत है। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन दिखाता है कि दोनों धड़े एक साथ आ सकते हैं, फिर स्थायी समाधान क्यों नहीं। पीसीएमसी को लेकर आरोप अजित पवार ने हाल ही में पिंपरी-चिंचवड़ नगर निगम में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। उन्होंने दावा किया कि बीते नौ वर्षों में निगम को कर्ज में धकेल दिया गया।

दिल्ली लालकिला विस्फोट केस, पटियाला हाउस कोर्ट ने डॉ मल्ला को 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने 10 नवंबर को लालकिले के पास हुए विस्फोट मामले के आरोपियों में से एक डॉ. बिलाल नसीर मल्ला को 16 जनवरी तक 13 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने शनिवार को मल्ला को कड़ी सुरक्षा के बीच पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। मल्ला को 26 दिसंबर को आठ दिन के लिए एनआईए की हिरासत में भेजा गया था और एजेंसी ने उसकी हिरासत अवधि

समाप्त होने पर उसे अदालत में पेश किया। मीडियाकर्मियों को कार्यवाही कवर करने से रोक दिया गया था। आरोपी को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया, जिन्होंने मल्ला को 16 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एनआईए ने नौ दिसंबर को मल्ला को दिल्ली में गिरफ्तार किया था और उसे साजिश का मुख्य आरोपी बताया था। एनआईए की जांच के अनुसार, मल्ला ने जानबूझकर डॉ. उमर-उन-नबी को रसद संबंधी सहायता प्रदान की थी। नबी आत्मघाती हमलावर था, जो वह विस्फोटक से भरी आई20 कार चला रहा था।

कांग्रेस 8 फरवरी से मनरेगा बचाओ संग्राम की करेगी शुरूआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनरेगा को लेकर अब कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ आर पार की तैयारी कर ली है। पार्टी देशव्यापी मनरेगा बचाओ संग्राम शुरू करने जा रही है जो 45 दिनों तक चलेगा। इस दौरान न सिर्फ सभी राज्यों में प्रदेश स्तरीय बैठकें आयोजित होंगी बल्कि मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी हर एक ग्राम प्रधान को चिट्ठी भी लिखेंगे। पार्टी महासचिव के सी वेणुगोपाल और प्रवक्ता जयराम रमेश ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर इस अभियान का रोडमैप शेयर किया।कांग्रेस ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर बताया पार्टी 45 दिनों तक मनरेगा बचाओ राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगी। ये जानकारी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल और सांसद जयराम रमेश ने दी..पार्टी का आरोप है कि केंद्र सरकार एक नई साजिश के तहत मनरेगा को कमजोर कर रही है। मनरेगा बचाओ राष्ट्रव्यापी अभियान को लेकर जयराम रमेश ने कहा ये सिर्फ एक अभियान नहीं बल्कि संग्राम है।

'जांच पूरी करने की समयसीमा अपवाद, नियम नहीं'; अदालत ने कहा- अनावश्यक देरी पर ही दखल देगा कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि जांच एजेंसियों को समयसीमा तय करना सामान्य नियम

नहीं बल्कि अपवाद है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनावश्यक देरी होने पर ही हस्तक्षेप किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने जांच प्रक्रिया को लेकर एक अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि जांच पूरी करने के लिए समयसीमा तय करना सामान्य नियम नहीं बल्कि एक अपवाद है। अदालत ने स्पष्ट किया कि जब जांच में अत्यधिक देरी से आरोपी के अधिकारों पर असर पड़ने लगे, तभी न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी होता है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश की समीक्षा करते हुए की। हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस को एक मामले में 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश दिया था और साथ ही आरोपियों को किसी भी तरह की दमनात्मक कार्रवाई से संरक्षण दिया था। कोर्ट ने क्यों रद्द किया हाईकोर्ट का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसियों पर शुरूआत से ही समयसीमा थोपना कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप के समान होगा। पीठ ने माना कि जांच कई कारकों पर निर्भर करती है और इसमें स्वाभाविक अनिश्चितता होती है। अदालत ने अपने फैसले में कहा समयसीमा रिएक्टिव रूप से तय की जाती है, प्रोफिलैक्टिक रूप से नहीं यानी अदालतें तभी समय तय करती हैं।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा कर्मियों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 12 से अधिक नक्सली मारे गए

सुकमा/बीजापुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों के साथ शनिवार को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में 12 से अधिक नक्सली मारे गए। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबलों ने सुकमा जिले में 10 से ज्यादा नक्सलियों को तथा पड़ोसी बीजापुर जिले में दो अन्य नक्सलियों को मार गिराया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुकमा जिले में दक्षिणी क्षेत्र के जंगल में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। उन्होंने कहा, अब तक 10

से अधिक नक्सलियों को मार गिराया गया है। अभियान अब भी जारी है। इस संबंध में विस्तार से जानकारी बाद में दी जाएगी। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में दो नक्सलियों को मार गिराया। उन्होंने बताया कि बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दल को खोजी अभियान में रवाना किया गया था। अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच शनिवार सुबह पांच बजे से रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव बरामद हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभियान अब भी जारी है इसलिए मुठभेड़ के स्थान, अभियान में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या तथा अन्य संवेदनशील जानकारी इस समय साझा नहीं की जा सकती ताकि अभियान में शामिल जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि अभियान पूरा होने के बाद विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। पिछले वर्ष सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 285 नक्सलियों को मार गिराया था।

पत्रकार के घर पर चोरो का हमला ! समरसेबल उखाड़ ले गए चोर, पुलिस की गश्त फेल

300 मीटर तक चोरी, महिलाएं घर में कैद–रामनगर चौकी की नाक के नीचे वारदात

मेजा, प्रयागराज। मेजा थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे पत्रकारों के घरों को भी निशाना बनाने लगे हैं, और पुलिस मूकदर्शक बनी बैठी है। रामनगर चौकी अंतर्गत चौकठा गौरा औता गांव में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने पत्रकार के.पी. तिवारी के घर के पीछे लगा समरसेबल पंप उखाड़ लिया और करीब 300 मीटर तक घसीटते हुए चोरी कर ले गए। यह घटना कानून-व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है। शुक्रवार सुबह जब घर के लोग पानी के लिए समरसेबल चलाने पहुंचे, तो वहां सन्नाटा पसरा था–पंप गायब था। आनन-फानन में डायल 112 पर सूचना दी गई। पुलिस आई, इधर-उधर देखा, औपचारिकता निभाई और लौट गई–लेकिन चोरों तक पहुंचने की कोई कोशिश नहीं। सबसे गंभीर बात यह है कि घर के सभी पुरुष सदस्य रोजगार के सिलसिले में मुंबई में रहते हैं। घर में केवल महिलाएं थीं। चोरों ने इस मजबूरी और असुरक्षा को भांपकर वारदात को अंजाम दिया। यह घटना सिर्फ चोरी नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं की सुरक्षा पर सीधा हमला है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कोई पहली घटना नहीं है। गांव में पहले भी कई बार चोरी हो चुकी है, लेकिन आज तक एक भी मामले का खुलासा नहीं हुआ। इससे साफ है कि या तो पुलिस पूरी तरह नाकाम है, या फिर चोरों को खुला संरक्षण मिल रहा है।

घटना के बाद गांव में जबरदस्त आक्रोश है। ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा है कि यदि जल्द ही समरसेबल चोरी का खुलासा नहीं हुआ और चोरों की गिरफ्तारी नहीं की गई, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

अब सवाल सीधा है–

क्या पुलिस चोरों से डर गई है?

क्या ग्रामीण इलाकों में कानून नाम की कोई चीज बची है?

और अगर पत्रकार भी सुरक्षित नहीं, तो आम आदमी की सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

यह वारदात प्रशासन के लिए चेतावनी है–

अब भी नहीं चेते, तो जनता खुद इंसाफ के लिए खड़ी होगी।

'महमूदाबाद में अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन का बुलडोजर, सिधौली क्रॉसिंग से सरकारी तालाब तक चला अभियान'

महमूदाबाद (सीतापुर) कस्बे में शनिवार की सुबह प्रशासन ने एक बार फिर अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक बुलडोजर कार्रवाई की। सिधौली क्रॉसिंग से लेकर सरकारी तालाब तक करीब दो किलोमीटर के दायरे में नाले के ऊपर लगाए गए होल्डिंग्स और किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया। प्रशासन के कड़े रवैये को देखते हुए कई अवैध कब्जाधारियों ने स्वयं ही अपने अतिक्रमण हटा लिए। इस अभियान से यह स्पष्ट हो गया कि अब तहसील प्रशासन के साथ–साथ जिला प्रशासन भी अवैध अतिक्रमण को लेकर पूरी तरह सख्त है। जिलाधिकारी राजा गणपति आर.के. के आदेशानुसार उपजिलाधिकारी बी.के. सिंह एवं अधिशासी अधिकारी पवन किशोर मौर्य ने मौके पर मौजूद अवैध कब्जाधारियों को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि यदि भविष्य में दोबारा अवैध अतिक्रमण पाया गया तो भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की धारा 329 के तहत मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। प्रशासन ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी अवैध कब्जाधारी को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान मौके पर उपजिलाधिकारी बी.के. सिंह, नायब तहसीलदार राम कुमार, थाना प्रभारी अनिल सिंह तोमर सहित अन्य राजस्वकर्मी एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

पार्सल बिजनेस में सुधार

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर पार्सल बिजनेस को विस्तार एवं बढ़ावा देने के क्रम में व्यापारियों एवं किसानों को छूट देते हुए पूर्व की नीतियों में संशोधन किया गया है, जिससे एग्रीगेटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन की शर्तों में बड़ी छूट दी जा रही है। यह छूट पूर्वोत्तर रेलवे सहित सभी क्षेत्रीय रेलों पर दिया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक संख्या में लोग इसका लाभ उठा सके। पार्सल बिजनेस को बढ़ाने हेतु पार्सल स्पेस लीजिंग के ई-नीलामी हेतु पुराने प्रावधानों जैसे-टर्नओवर, बैलेंस शीट, प्रॉफिट एण्ड लॉस आदि एंट्री बैरियर को हटा दिया गया है तथा जॉइंट पार्सल प्रोडक्ट-रैपिड कार्गो सर्विस योजना के अन्तर्गत वित्तीय मानदंड को शिथिल कर दिया गया है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान लॉजिस्टिक, कार्गो/कूरियर हैंडलिंग और ट्रांसपोर्टेशन बिजनेस के लिए 50 लाख रुपये के नेट टर्नओवर का प्रावधान को हटा दिया गया है। जो व्यापारी या किसान फ्रेट फॉरवर्डर्स/ट्रांसपोर्टर्स को एग्रीगेटर्स के रूप में पैनल में शामिल करवाना चाहते है, उनके लिए पंजीकरण शुल्क में सुविधा देते हुए शुल्क को 20,000 रुपये $ जीएसटी की एम्पैनलमेंट फीस को घटाकर आधा यानि कि 10,000 रुपये $ जीएसटी कर दिया गया है। पार्सल कार्गो एक्सप्रेस ट्रेन (पीसीइटी) में संचालन हेतु पात्रता मानदंड में सुधार किया गया है। रजिस्टर्ड लीजहोल्डर और अन्य जिनका पिछले तीन वित्तीय वर्षों में सालाना टर्नओवर 10 करोड़ रुपये अनिवार्य था, इस सीमा को हटा दिया गया है, अब सभी रजिस्टर्ड लीजहोल्डर ओपन टेण्डर में भाग लेने के लिए पात्र होंगे। इससे पार्सल बिजनेस को गति मिलेगी।

मेला विशेष गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है

गोरखपुर, रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से निम्नलिखित तिथियों में चलने वाली कुछ मेला विशेष गाड़ियों को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

निरस्तीकरण-

-बढ़नी से 03, 04 एवं 05 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05107 बढ़नी-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त कर दिया गया है।

-बनारस से 04, 05 एवं 06 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05109 बनारस-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 04, 05 एवं 06 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05110 प्रयागराज रामबाग-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-छपरा से 04 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05113 छपरा-प्रयागराज रामबाग मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 04, 05 एवं 06 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05108 प्रयागराज रामबाग-बढ़नी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-प्रयागराज रामबाग से 04 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05114 प्रयागराज रामबाग-छपरा मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 04 एवं 05 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05104 झूसी-बनारस मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-बनारस से 04 एवं 05 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05103 बनारस-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-झूसी से 04 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05112 झूसी-गोरखपुर मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 05 जनवरी, 2026 को चलने वाली 05111 गोरखपुर-झूसी मेला विशेष गाड़ी निरस्त रहेगी।

भूँखमरी की कगार पर गन्ना किसान, बजाज को सूझ रहीं कव्वालियां

लखीमपुर–खीरी।जी हाँ किसानों के जख़्मों पर नमक छिड़कने का काम बजाज हिन्दुस्थान लिमिटेड पलिया शुगर डिवीजन के अधिकारी कर रहे हैं। कड़ाके की ठंढ में अपनी जान पर खेलकर गन्ना किसान दिनरात चीनी मिल को अनवरत गन्ना आपूर्ति करते चले आ रहे हैं, बजाज हिंदुस्तान के इन्हीं शेयर होल्डर किसानों के मन में कहीं न कहीं उम्मीद है कि उनकी खून पसीने की कमाई उन्हें मिलेगी वहीं दूसरी तरफ कंपनी की तनख्वाह पर जीवन यापन करने वाले अफसर टाइप नुमाइंदे नये साल के अवसर पर महिला कव्वालियों की बेहतरीन महफ़िल जमाकर किसानों के खून पसीने की कमाई के पैसों से अपनी नाजायज शौक पूरा करने में लगे हैं। रंगारंग आयोजन के संदर्भ में ज़ब यूनिट हेड ओ. पी. चौहान से वार्ता की गयी तो उन्होंने बताया कार्यक्रम बच्चों द्वारा स्वयं के व्यय पर आयोजित किया गया है, जिसका कंपनी से कोई लेना देना नहीं है।वहीं गन्ना विकास समिति के अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने इस आयोजन को किसान विरोधी एवं बजाज के अधिकारियों की गैर संवेदनशीलता बतलाते हुये आयोजकों की निंदा की गयी।

विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए कड़े निर्देश, लापरवाही पर कठोर कार्रवाई के संकेत

सीतापुर, जिलाधिकारी डॉ. राजा गणपति आर. की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में विकास खण्डों के माध्यम से संचालित कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए उन्हें निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि अभिलेखों का समुचित रखरखाव किया जाए, नए समूहों का गठन किया जाए तथा संचालित समूहों को सुविधाओं से लाभान्वित करने के लिए त्वरित कार्रवाई की जाए। महिला सशक्तीकरण की अवधारणा को सफल बनाने हेतु सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करें। एनआरएलएम के कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। जिलाधिकारी ने सभी विकास खण्डों में लक्ष्य के अनुरूप अन्नपूर्णा भवन, मिनी स्टेडियम, एमडीएम शेड, मनरेगा पार्क, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आदि के निर्माण के लिए प्रभावी कार्यवाही के निर्देश दिए। जिन विकास खण्डों में भूमि का चिन्हांकन शेष है, वहां संबंधित उपजिलाधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र चिन्हांकन कराने तथा कन्वर्जेंस से होने वाले निर्माण कार्यों की समुचित कार्ययोजना बनाकर कार्य प्रारम्भ कराने के निर्देश दिए। अनारम्भ कार्यों को तत्काल शुरू कराने पर भी जोर दिया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी खण्ड विकास अधिकारी कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा करें और निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण अवश्य करें। साथ ही कार्यालय के समस्त अभिलेखों को व्यवस्थित व अद्यतन रखते हुए पत्रावलियों का निस्तारण समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जाए। पात्र लाभार्थियों को लाभार्थीपरक योजनाओं से आच्छादित किया जाए और किसी भी स्तर पर प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। जिलाधिकारी ने अधीनस्थ कर्मचारियों के कार्यों की नियमित समीक्षा करने तथा लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संविधान से टकराने वालो को सत्ता से हटा दे-सांसद राकेश राठौर

सीतापुर।सेवता विधान सभा क्षेत्र के गोलोक कोड़र में आज तीन जन सभाओ मे संविधान गूंजा और ऐलान हुआ नफरत नहीं रोजगार चाहिए।इस अवसर पर सांसद राकेश राठौर ने कहा भाजपा की जातीय विद्वेष , धार्मिक उन्माद और उत्पात की राजनीति को जिनको खत्म के लिए आगे आना चाहिए वे ष रील ष बना रहे , आपके बीच के नेता आपके विकास के नाम पर या तो ष कोठियां ष बनाते रहे है या फिर ष कोठा ष आबाद करते रहे है , कोठा और कोठी की राजनीति करने वाले गांजर के लोगो की जिंदगी नहीं बदल सकते , राकेश राठौर ने लोगो का आह्वान किया की नफरत , पिछड़ेपन के जिम्मेदार और संविधान से टकराने वालो को सत्ता से हटा दें।इस अवसर पर डां बृजबिहारी ने कहा गांजर को पिछड़ा क्षेत्र घोषित किया जाए तभी गांजर का विकास होगा । कार्यक्रमो के संयोजक शशांक राठौर ने कहा सेवता विधान सभा क्षेत्र का विकास तभी संभव है जब सेवता का नेतृत्व सही लोगो के हाथ मे हो जो नफरत की राजनीति खत्म कर सके और थाना , तहसील और ब्लाक की लूट रोक सके।सेवता विधान सभा क्षेत्र मे आज सांसद राकेश राठौर ने गोलोक कोड़र के आजाद नगर , अंबेडकर नगर और जंगल टपरी मे मीटिंग कर 24 जनवरी को रेऊसा के संविधान बचाओ संवाद मे आने का आह्वान किया।इस अवसर पर राजकुमार चौरसिया महेश यादव कांशीराम भार्गव आदि ने अपनी बात रखी ।

दूसरे दिन भी किसानों का धरना लगातार जारी, प्रशासन बना तमाशबीन

सिंगाही/बेलरायां–खीरी।सिंगाही थाना क्षेत्र के अंतर्गत जौराहा नाले पर आवंटित खनन पट्टा निरस्त किए जाने की मांग को लेकर किसानों एवं सिख संगठनों के लोगों का धरना प्रदर्शन दूसरे दिन भी जारी रहा। कड़ाके की ठंड के बावजूद प्रदर्शनकारी मांझा गांव के पास नाले के किनारे डटे रहे और प्रशासन के प्रति नाराजगी जाहिर की। धरनास्थल पर मौजूद किसानों का कहना है कि जोहरा नाले पर खनन कार्य शुरू होने से आसपास की कृषि भूमि को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। खनन के कारण नाले का स्वरूप बदल जाएगा, जिससे खेतों में कटान बढ़ेगा और फसलों को क्षति पहुंचेगी। साथ ही, क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था और पर्यावरण संतुलन भी प्रभावित होगा। प्रदर्शन कर रहे सिख संगठनों के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि खनन पट्टा आवंटित करने से पहले स्थानीय ग्रामीणों और किसानों की राय नहीं ली गई। उनका कहना है कि प्रशासन द्वारा जनहित के मुद्दों की अनदेखी की जा रही है।

'केवीके कटिया मे आयोजित किया गया सरपंच सम्मेलन'

'विकसित भारत-जी राम जी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित','विकसित भारत जी राम जी में 125 दिन रोजगार की गारंटी','आर्टीफीसियल इटींलीजेसं तकनीक का जी राम जी में उपयोग','विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत केवीके कटिया में सरपंच सम्मेलन'

सीतापुर। विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत कृषि विज्ञान केंद्र, कटिया (सीतापुर) में एक बृहद ष्सरपंच सम्मेलनष् का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के बिसवां विकासखंड के विभिन्न ग्राम पंचायतों से ग्राम प्रधान, सहायक कार्यक्रम अधिकारी एवं ग्राम सेवक सहित कुल 74 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. दया शंकर श्रीवास्तव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मनरेगा से विकसित भारत जी राम जी योजना तक हुए महत्वपूर्ण बदलावों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन समय की आवश्यकता है और इसके माध्यम से ग्रामीण स्तर पर कृषिगत विकास, रोजगार सृजन तथा बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने योजनांतर्गत कृषि विकास की रूपरेखा पर अपने दृष्टिकोण को प्रतिभागियों के समक्ष रखा। केंद्र के प्रसार वैज्ञानिक श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने विकसित भारत जी राम जी योजना में हुए मूलभूत प्रावधानों, संरचना तथा क्रियान्वयन की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने चरणबद्ध तरीके से बताया कि

ग्राम पंचायत स्तर पर इस योजना को किस प्रकार प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है। साथ ही प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया। सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री नितिन गुप्ता ने योजना के अद्यतन प्रावधानों, नियमानुसार कार्ययोजना निर्माण, ग्राम स्तर पर सहभागिता, जल संरक्षण तथा ग्रामीण अवसंरचना विकास के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुव्यवस्थित कार्ययोजना एवं पारदर्शी क्रियान्वयन से ही योजना के वास्तविक लाभ ग्रामीण समुदाय तक पहुँच सकते हैं। केंद्र के पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. आनंद सिंह ने कोर ग्रामीण अवसंरचना के अंतर्गत स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यों का चयन एवं प्राथमिकता निर्धारण विषय पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने पशुपालन से जुड़े स्थायी ढांचागत विकास कार्यों को योजना में समुचित स्थान देने की आवश्यकता पर जोर दिया। केंद्र के सस्य वैज्ञानिक डॉ. शिशिरकान्त सिंह ने योजना के चौथे घटक, अत्यधिक मौसमी घटनाओं के प्रभाव को कम करने संबंधी प्रावधानों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि की स्थितियों में फसल एवं कृषि प्रणाली को लचीला बनाने हेतु संभावित कार्यों एवं उपायों की जानकारी दी। केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. रीमा ने आजीविका से संबंधित ग्रामीण अवसंरचना के विकास पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होंने महिला स्व–सहायता समूहों, गृह–आधारित उद्यमों तथा पोषण–संवेदनशील कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने में इस योजना की उपयोगिता पर बल दिया। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. शुभम सिंह राठौर ने तालाबों पर आधारित एकीकृत प्रणाली (इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम) का खाका प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि तालाबों के विकास के साथ–साथ मत्स्य पालन, बागवानी, पशुपालन एवं अन्य उद्यमों को जोड़कर किसान अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि कर सकते हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन केंद्र के प्रक्षेत्र प्रबंधक डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा किया गया। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आशा जताई कि विकसित भारत जी राम जी योजना के माध्यम से ग्राम पंचायत स्तर पर ठोस एवं दीर्घकालिक विकास कार्यों को नई गति मिलेगी।

रामकोट कस्बे में दूसरे दिन भी चला बुलडोजर, खाली कराई गई जमीन

रामकोट–सीतापुर। जिलाधिकारी राजा गणपति आर के निर्देशानुसार रामकोट कस्बे में सीतापुर–नैमिषारण्य मार्ग पर सड़क चौड़ी करण व नाला निर्माण कार्य पी डब्लू डी के द्वारा कराया जा रहा है। कई माह पहले दुकानदारों को नोटिस भी दी गई थी, और बीच सड़क से माप कर दुकानों पर लाल निशान भी लगाए गये थे, जिसमे कहा गया था कि अपना–अपना अतिक्रमण स्वयं हटा ले नहीं तो प्रशासन के द्वारा दुकानों पर बुलडोजर करवाई की जाएगी। बुलडोजर कार्यवाही शुरू करने के 3 दिन पहले अनाउंसमेंट करवा कर कस्बे वासियों को सूचित कर दिया गया था। जिस पर शुक्रवार को नायब तहसीलदार सदर महेंद्र तिवारी ने पीडब्ल्यूडी की टीम के साथ कस्बे में पहुंचकर सड़क के किनारे बने मकानों व दुकानों के ऊपर बुलडोजर चलवा कर अतिक्रमण हटाया गया। वहीं दूसरे दिन शनिवार को लेखपाल अविनाश रस्तोगी, पी डब्लू डी की टीम व रामकोट पुलिस बल की मौजूदगी में दुकानों पर बुलडोजर से तोड़ कर अतिक्रमण मुक्त किया गया। जो एक बड़ी कार्रवाई की जा रही है और आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी। कुछ दुकानदार अपनी–अपनी दुकानों को स्वयं तोड़ रहे हैं। कस्बे के सैकड़ो दुकानदारों का व्यापार ठप हो गया है। दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है। पीडब्लू डी के अधिशासी अभियंता सत्तार अहमद के बताने के अनुसार नैमिषारण्य जाने वाली सड़क पर बीच मार्ग से 7 मीटर दाहिने व 7 मीटर बाए, जमीन खाली कराई जा रही है, जिसमे 10 मीटर की आर सी सी सड़क जो कि रामकोट पेट्रोल पंप से लेकर स्टेशन मार्ग तक 1235 मीटर दूरी तक बनाई जाएगी। सड़क के किनारे दोनों तरफ एक–एक मीटर के नाले का निर्माण किया जाएगा, नाले के बाद बची एक मीटर जगह में विद्युत पोल लगाएं जाएंगे, व पानी की पाइप लाइन डाली जाएगी।

ब्लाक प्रमुख नमिता अवस्थी के निधन के बाद किरन देवी नामित

सीतापुर।विकास खंड गोदलामऊ की क्षेत्र पंचायत प्रमुख श्रीमती नमिता अवस्थी के आकस्मिक निधन के बाद रिक्त हुई ब्लाक प्रमुख की सीट पर किरन देवी को नामित किया गया है। इस संबंध में जिला मजिस्ट्रेट सीतापुर द्वारा विधिवत आदेश जारी किया गया है।आदेश के अनुसार, क्षेत्र पंचायत गोदलामऊ की प्रमुख श्रीमती नमिता अवस्थी का 26 नवंबर 2025 को आकस्मिक निधन हो गया था जिसके चलते प्रमुख का पद रिक्त हो गया। उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत एवं जिला पंचायत अधिनियम 1961 की धारा–9(2) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने अस्थायी व्यवस्था के रूप में यह नामांकन किया है।जारी आदेश में कहा गया है कि क्षेत्र पंचायत गोदलामऊ की सदस्य श्रीमती किरन देवी पत्नी पुत्री संजय, वार्ड संख्या–34 (करकुलामऊ–2) को आगामी आदेशों तक ब्लाक प्रमुख के समस्त दायित्वों एवं शक्तियों के निर्वहन हेतु नामित किया जाता है। यह व्यवस्था नए प्रमुख के निर्वाचन तक प्रभावी रहेगी।

नए साल में घूमने की बना रहे योजना; फ्लाइट कैंसिल हो या सामान खो जाए, आसानी से मिलेगा क्लेम

नई दिल्ली। नए साल में यात्रा की योजना बना रहे लोगों के लिए ट्रैवल इंश्योरेंस बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में बड़े हवाईअड्डों पर परिचालन संबंधी दिक्कतों के कारण फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की घटनाएं सामने आई हैं, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा हुई। ऐसे हालात में ट्रैवल इंश्योरेंस काफी मददगार साबित होता है। नए साल में अगर आप कहीं घूमने जा रहे हैं, तो ट्रैवल इंश्योरेंस जरूर रखें।?ट्रैवल इंश्योरेंस का मकसद यात्रा के दौरान आई अचानक परेशानी से आपको सुरक्षित रखना है।?हाल ही में परिचालन संबंधी चुनौतियों के कारण दिल्ली, मुंबई, पुणे, बंगलूरू और हैदराबाद सहित कई प्रमुख हवाईअड्डों पर लोगों को फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की वजह से परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऐसी मुश्किल स्थितियों में ट्रैवल इंश्योरेंस काफी मददगार साबित होता है।

संक्षिप्त समाचार

खुले में कचरा फेंकने वालों से 2025 में वसूले 14.35 लाख

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग और शहर को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए नगर निगम ग्वालियर ने वर्ष 2025 में खुले में कचरा फेंकने, सड़कों पर गोबर डालने और सार्वजनिक स्थानों को गंदा करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। पूरे साल चले विशेष अभियान के दौरान नगर निगम द्वारा ऐसे लोगों पर जुर्माना लगाकर कुल 14 लाख 35 हजार रुपये की वसूली की गई है। इसमें जनवरी 2025 में 86 हजार 400 रुपये, फरवरी में 1 लाख 14 हजार 750 रुपये, मार्च में 2 लाख 13 हजार 200 रुपये, अप्रैल में 43 हजार 200 रुपये, मई में 44 हजार 500 रुपये, जून में 57 हजार 950 रुपये, जुलाई में 52 हजार 400 रुपये, अगस्त में 1 लाख 3 हजार 200 रुपये, सितंबर में 56 हजार 750 रुपये, अक्टूबर में 86 हजार 650 रुपये, नवंबर में सर्वाधिक 4 लाख 17 हजार 450 रुपये तथा दिसंबर में 1 लाख 58 हजार 950 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

निगम आयुक्त उतरे सड़कों पर, किया निरीक्षण

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने शुक्रवार की सुबह शहर की प्रमुख सड़कों का निरीक्षण कर निर्माण एवं सुधार कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड क्रमांक 30 स्थित अनुपम नगर में नेहा मेंशन से सचिन तेंदुलकर रोड तक प्रस्तावित सड़क का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही राजीव प्लाजा पजल पार्किंग रोड से गिर्राज जी मंदिर तक तथा छप्पर वाला पुल से ऊंट पुल तक प्रस्तावित सड़क निर्माण को लेकर भी स्थल निरीक्षण किया गया। इस दौरान सहायक यंत्री यशवंत मैकले एवं क्षेत्राधिकारी अनिल श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

खेल मैदान हमें अनुशासन सिखाते हैं : नरेन्द्र सिंह तोमर

69वीं राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता शुरू

ग्वालियर

मप्र लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जिला प्रशासन एवं स्कूल शिक्षा विभाग के सहयोग से राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर कंपू में 2 से 7 जनवरी तक आयोजित की जा रही 69वीं राष्ट्रीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता बालिका अंडर-14 व अंडर-19 वर्ग का शुभारंभ शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी, प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक पदम सिंह, खेल विशेषज्ञ केशव सिंह गुर्जर, स्कूल शिक्षा विभाग के खेल अधिकारी आरके सिंह व पंकज शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री तोमर ने कहा कि इस आयोजन में लघु भारत के सजीव दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल सिर्फ व्यायाम व प्रतिस्पर्धा भर नहीं है। खेल का मैदान हमें अनुशासन सिखाता है। खेलों में निहित प्रतिस्पर्धा व अनुशासन की भावना विकास का मार्ग प्रशस्त करती है। साथ ही आपसी मेलजोल और देश की बहुआयामी संस्कृति को जानने का मौका भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के माध्यम से मिलता है। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत ने भी विचार व्यक्त किए।

जिला शिक्षा अधिकारी हरिओम चतुर्वेदी ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि इस प्रतियोगिता में 27 टीमें शामिल हो रही हैं। जिनमें लगभग 1100 खिलाड़ी, कोच व अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं।

रंगारंग प्रस्तुति ने बांधा समां

प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर जहां आकर्षक मार्च पास्ट निकाला गया। वहीं विभिन्न राज्यों से खिलाड़ियों के स्वागत में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें शासकीय पद्मा उ.मा. विद्यालय तथा शासकीय एमएलबी कन्या उ.मा. विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग एवं मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

झारखंड ने जीता उद्घाटन मैच

प्रतियोगिता अंडर-19 बालिका वर्ग में उद्घाटन मैच झारखंड और चंडीगढ़ के बीच खेला गया। जिसमें झारखंड ने 11-0 से जीत दर्ज की। दूसरा मैच उत्तराखंड और उड़ीसा के बीच खेला गया। जिसमें उड़ीसा ने 4-0 से जीत दर्ज की। तीसरा मैच उत्तर प्रदेश तथा सीआईएससीआई के बीच खेला गया। जिसमें उत्तरप्रदेश ने 14-0 से जीत हासिल की। चौथा मैच गुजरात तथा आईपीएससी के बीच खेला गया। जिसमें गुजरात 9-0 से जीता। पांचवां मैच मेजबान मध्यप्रदेश तथा पश्चिम बंगाल के बीच खेला गया। जिसमें मध्यप्रदेश ने 10-0 से जीत दर्ज की। मप्र की ओर से खेलते हुए समीक्षा ने पांच गोल दागे। छठवां मैच तमिलनाडु तथा महाराष्ट्र के बीच खेला गया। जिसमें दोनों टीमें 1-1 से बराबर पर रहीं।

अंडर-14 बालिका वर्ग में खेले गए पहले मैच में झारखंड ने सीबीएसई को 11-0 से हराया। वहीं मेजबान मप्र ने चंडीगढ़ को एकतरफा मुकाबले में 11-0 से हराया। उप्र ने सीआईएससीआई को 19-0 से हराया। उड़ीसा ने हिमाचल प्रदेश को 11-0 से हराया। आंध्रप्रदेश को पश्चिम बंगाल को 3-1 से हराया। तमिलनाडु ने विद्या भारती को 12-0 से हराया। छत्तीसगढ़ ने केरला को 4-2 से हराया।

यह टीमें ले रही भाग

राष्ट्रीय शालेय बालिका हॉकी प्रतियोगिता में मेजबान मध्यप्रदेश सहित कुल 27 टीमें भाग ले रही हैं। इनमें उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, केरला, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटिका, महाराष्ट्र, उड़ीसा, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, सीबीएसई, आईपीएससी, केवीएस, विद्या भारती, इंटरनेशनल बोर्ड व स्कूल स्पोर्ट्स आर्गनी काउंसिल की टीमें शामिल हैं।

खिलाड़ियों ने निकाला आकर्षक मार्च पास्ट

प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न राज्यों से खिलाड़ियों ने विद्या विहार स्कूल के बैंड की मधुर धुन पर आकर्षक मार्च पास्ट निकाला और कदम से कदम मिलाकर कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों को सलामी दी। इस अवसर पर आसमान में छोड़े गए रंगीन गुब्बारों ने अलग ही छटा बिखेरी।

युवक को सड़क पर पटककर पीटा, मौत

मारपीट का वीडियो आया सामने

ग्वालियर

पड़ाव थाना क्षेत्र में एक युवक की मारपीट करने से मौत हो गई। मृतक नववर्ष की पार्टी करने के लिए दोस्तों के पास गया था जहां उसकी मारपीट कर दी थी। मारपीट का वीडियो भी वायरल हो रहा है। युवक की मौत से गुस्साए परिजनों ने शव रखकर चक्काजाम कर दिया है। मृतक के परिजनों ने युवक की मारपीट करने से मौत होना बताया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

पड़ाव थाना क्षेत्र स्थित लक्ष्मणपुरा में रहने वाला सुरेन्द्र पुत्र हररिसिंह जाटव 35 वर्ष मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहा था। बताया गया है कि सुरेन्द्र बस्ती में ही रहने वाले अभिषेक उर्फ गोली रजक और एक अन्य युवक के साथ 31 जनवरी की रात को गया था। जहां

पर उसके साथ दोनों ने किसी बात पर विवाद होने पर जमकर मारपीट कर दी। अभिषेक क्षेत्र में नशे का कारोबारी करता है। जिस समय हमलावर उसके साथ मारपीट कर रहे थे, राहगीर ने उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। मारपीट के बाद सुरेन्द्र घर आ गया और एक जनवरी को उसकी हालत बिगड़ने लगी। परिजन उसे निजी चिकित्सालय ले गए जहां पर उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए जयारोग्य चिकित्सालय में रेफर कर दिया। जहां पर उपचार के दौरान देर रात सुरेन्द्र ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत का पता चलने पर पुलिस चिकित्सालय पहुंच गई। मृतक के जीजा धर्मेन्द्र अहिरवार ने साले की मौत को हत्या बताया और शव विच्छेदन कराने की इच्छा व्यक्त की। परिजन शव विच्छेदन कराने के बाद शव लेकर पड़ाव पहुंचे और घर के पास ही शव रखकर चक्काजाम कर दिया। चंद मिनट बाद ही परिजन शव लेकर चले गए। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर मौत के कारणों की विवेचना प्रारंभ कर दी है।

मां व जीजा पर मारपीट का आरोप

मृतक की मां विमला व जीजा धर्मेन्द्र अहिरवार ने आरोप लगाया कि सुरेन्द्र को अभिषेक और उसके साथी ने बुलाया था जहां थाने के पास ही उसकी सड़क पर पटककर मारपीट कर दी थी। युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है।

इनका कहना है

युवक की मौत पर परिजनों ने अतः परीक्षण कराने की बात कही थी। पुलिस ने शव विच्छेदन कराने के बाद मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जांच में मारपीट से मौत होने पर आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

शैलेन्द्र भार्गव
पड़ाव थाना प्रभारी

बिरला नगर सिविल अस्पताल में अवैध वसूली मामले में नहीं हुई कार्रवाई

सीएमएचओ के निर्देशों की अनदेखी

ग्वालियर

बिरला नगर सिविल अस्पताल में जन्म प्रमाण पत्र जारी करने और उसमें संशोधन के नाम पर की जा रही अवैध वसूली के मामले में स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। आरोपों के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. सचिन श्रीवास्तव द्वारा स्पष्ट रूप से प्रभारी को तत्काल प्रभार से हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन हैरानी की बात यह है कि पन्द्रह दिन बीत जाने के बाद भी संबंधित प्रभारी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल में जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकरण विभाग की प्रभारी अनामिका पर यह आरोप लगे थे कि वह नए जन्म प्रमाण पत्र बनाने और पुराने प्रमाण पत्रों में संशोधन के नाम पर पैसे की मांग करती है। मामला सामने आने के बाद सीएमएचओ ने इसे गंभीर मानते हुए तत्काल प्रभाव से उन्हें प्रभारी पद से हटाने के निर्देश संस्था प्रभारी को दिए थे। इसके बावजूद संस्था प्रभारी द्वारा न तो प्रभारी को हटाया गया और न ही उनके विरुद्ध कोई विभागीय जांच प्रारंभ की गई। उल्टा संस्था प्रभारी का कहना है कि उन्हें सीएमएचओ के निर्देशों से संबंधित कोई लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। इसी आधार पर उन्होंने कार्रवाई टालते हुए केवल चेतावनी देकर मामले को समाप्त कर दिया। संस्था प्रभारी ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में इस तरह की कोई शिकायत सामने आती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसको लेकर सवाल यह भी उठ रहे हैं कि जब सीएमएचओ स्तर से स्पष्ट निर्देश जारी हो चुके हैं, तो संस्था प्रभारी द्वारा उन्हें नजरअंदाज कैसे किया जा सकता है।

भिण्ड में रह चुकी हैं पदस्थ, संविदा पर हैं प्रभारी

भिण्ड में रह चुकी हैं पदस्थ, संविदा पर हैं प्रभारी

जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकरण विभाग की प्रभारी अनामिका संविदा पर पदस्थ हैं। इससे पहले वे भिण्ड जिले में कार्यरत थीं। लगभग पांच माह पूर्व ही उनका स्थानांतरण कर उन्हें बिरला नगर सिविल अस्पताल में पदस्थ किया गया था। बिरला नगर आते ही उन्हें जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र पंजीकरण विभाग का प्रभारी बना दिया गया, जिसको लेकर विभाग के भीतर ही कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

शहर के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे: सांसद कुशवाहा

ग्वालियर

शहर के समग्र विकास को गति देने के उद्देश्य से सांसद भारत सिंह कुशवाहा ने शुक्रवार को वार्ड क्रमांक 30 एवं 09 में कुल लगभग 56 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। वार्ड क्रमांक 30 स्थित टैगोर नगर की विभिन्न गलियों में 47 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क निर्माण कार्य तथा वार्ड क्रमांक 09 के लधेड़ी क्षेत्र में 9.23 लाख रुपये की लागत से केवट बगीचे की बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री

कुशवाहा ने कहा कि ग्वालियर के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्वालियर लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है और राज्य व केंद्र सरकार द्वारा शहर में निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर सभापति मनोज तोमर, क्षेत्रीय पार्षद रेखा त्रिपाठी, अनीता रामू कुशवाह, पार्षद दीपक मांझी सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता रामेश्वर भदौरिया, पूर्व पार्षद सुशील वर्मा, डॉ. संजय मेहरा, भरत दांतरे, मंडल अध्यक्ष महेश भदौरिया, भद्रकाली ट्रस्ट अध्यक्ष देवेंद्र बाथम सहित अन्य मौजूद रहे।

ग्वालियर के उद्यमी ले सकते हैं स्टार्टअप के लिए मदद

ग्वालियर

स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा आर्थिक मदद प्रदान की जा रही है। सरकार द्वारा यह मदद 'मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति-2025' के तहत दी जाती है। ग्वालियर जिले में स्टार्टअप संचालित कर रहे उद्यमी भी यह लाभ उठा सकते हैं। राज्य शासन द्वारा स्टार्टअप को बढ़ावा देने की कड़ी में 11 व 12 जनवरी को भोपाल में 'मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट एवं ईको सिस्टम अवार्ड-2026' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। स्टार्टअप के लिए सहायता प्राप्त करने एवं इस आयोजन में भाग लेने के इच्छुक भाग लेने के युवा भी स्टार्टअप पोर्टल स्टार्टअप. एमपी. जीओव्ही.इन पर पंजीयन करा सकते हैं। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक सुनील त्रिपाठी ने बताया कि 24 फरवरी के बाद स्थापित होने वाले पात्र स्टार्टअप को मध्यप्रदेश स्टार्टअप नीति के तहत 12 माह तक प्रतिमाह 10 हजार रुपए के हिसाब से आर्थिक सहायता दी जा रही है। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत स्टार्टअप स्थापित करने के लिए बैंक से लिए गए ऋण पर 5 प्रतिशत ब्याज अनुदान एवं 15 प्रतिशत अधिकतम 15 लाख रुपए की सहायता दी जाती है।

स्टार्टअप के लिए यहां करें संपर्क

ग्वालियर जिले के ऐसे उद्यमी जो अपना स्टार्टअप खड़ा करना चाहते हैं वे विस्तृत जानकारी के लिए सिटी सेंटर स्थित जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र में संपर्क कर सकते हैं। इस संबंध में प्रबंधक अल्ताफ राजा मोबा. 9179853224, सहायक प्रबंधक आनंद शर्मा 7415469857 एवं सहायक प्रबंधक अनुराग शर्मा 7566464533 से संपर्क किया जा सकता है। भोपाल में आयोजित होने जा रही मध्यप्रदेश स्टार्टअप समिट में भाग लेने के लिए भी यहीं से मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है।

कांग्रेसियों पर पानी की बोछार छोड़ किया तितर-बितर

ग्वालियर

युवा कांग्रेस द्वारा शुक्रवार को दोपहर मुरार के बारादरी चौराहा पर प्रदेश के केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला दहन किया गया। इस दौरान कांग्रेसियों को तितर-बितर करने के लिए फायरब्रिगेड से पानी की बोछार की गई। युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष विजय यादव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने घंटा बजाकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने इंदौर दूषित पानी मामले में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का पुतला जलाया। मौके पर मौजूद प्रशासन और पुलिस के अधिकारियों ने पुतला छीन लिया। इस दौरान फायरब्रिगेड से कार्यकर्ताओं को काबू करने के लिए हल्की बौछार भी करना पड़ी। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

डॉ. ब्रजेश शर्मा को बेस्ट लाइफ कोच एंड मेंटॉर सम्मान

ग्वालियर

श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज बानमोर से मानद रूप से जुड़े प्रख्यात लाइफ कोच एवं मेंटॉर डॉ. ब्रजेश शर्मा को इंडियन ग्लोरी अवार्ड 2025 के अंतर्गत बेस्ट लाइफ कोच एंड मेंटॉर 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया है। डॉ. ब्रजेश शर्मा श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, बानमोर में सप्ताह में एक दिन मानद रूप से उपस्थित रहकर छात्रों को शिक्षा, कॅरियर एवं आत्मविकास से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। कॉलेज सचिव हरेंद्र शर्मा एवं मुख्य कार्यकारी अविनाश शर्मा के प्रयासों से परिसर में समाधान केंद्र की स्थापना की गई है, जहां छात्रों

को सकारात्मक दिशा और समाधान उपलब्ध कराए जाते हैं। डॉ. शर्मा श्रीराम सेंटर फॉर एक्सीलेंस एंड पर्सनल ग्रोथ के संस्थापक निदेशक भी हैं और विगत 15 वर्षों से छात्रों को निःशुल्क परामर्श दे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन से अनेक छात्र विभिन्न प्रतिष्ठित पदों पर चयनित हुए हैं।

एलिवेटेड रोड निर्माण में बन रहे थे बाधा

रमटापुरा में तीन मकान व एक मैरिज गार्डन हटाए

ग्वालियर

शहर में बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड रोड निर्माण कार्य को गति देने के लिए जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी क्रम में शुक्रवार को रमटापुरा क्षेत्र में राजस्व विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एलिवेटेड रोड के मार्ग में बाधा बन रहे तीन मकान और एक मैरिज गार्डन का अतिक्रमण हटाया। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार महेश सिंह कुशवाह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। मशीनों की मदद से किए गए इस अभियान में एक मकान को पूरी तरह हटाया गया,

जबकि दो अन्य मकानों की बाउंड्रीवॉल तोड़ी गई। इसके अलावा एक मैरिज गार्डन की किचिन और गार्डन एरिया को भी हटाया गया, जो प्रस्तावित एलिवेटेड रोड की सीमा में आ रहा था। संबंधित अतिक्रमणकारियों को पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे और जिनकी संपत्तियां हटाई गई हैं, उन्हें भू-अर्जन व अधिग्रहण की राशि पहले ही प्रदान की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि जलालपुर तिराहे से लेकर लक्ष्मीबाई समाधि स्थल तक लगभग 6.5 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड मार्ग पर कई स्थानों पर अतिक्रमण मौजूद हैं। रमटापुरा के बाद गंगापुर क्षेत्र में भी कुछ मकान एलिवेटेड रोड की जद में आ रहे हैं, जहां अतिक्रमण हटाने को लेकर राजनीतिक दखल और दबाव की स्थिति बनी हुई है। इसके चलते वहां कार्रवाई में विलंब हो रहा है। इसी तरह हजीरा पुल के पास सिविल अस्पताल की लाइन में बनी 20 से अधिक दुकानें भी अब तक नहीं हटाई जा सकी हैं। इसके अलावा लक्ष्मीबाई समाधि स्थल के पिछले हिस्से में भी कई मकान ऐसे हैं, जो अधिग्रहित भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए हैं और जिन्हें हटाया जाना शेष है।

जीरो डोज प्रोजेक्ट के तहत ब्रिज आईपीसी स्किल ट्रेनिंग ओरिएंटेशन आयोजित

ग्वालियर

जीरो डोज प्रोजेक्ट के तहत ब्रिज इंटर पर्सनल कम्युनिकेशन (आईपीसी) स्किल ट्रेनिंग ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को सीएमएचओ कार्यालय सभागार थाटीपुर में आयोजित हुआ। एमपीवीएचए एवं यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित हुए कार्यक्रम में डीसीएम अर्बन, बीसीएम, बीसीसीएम, आरआईडीएम, पीएचएम, एलडीसीएमआईएस सहित जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य फील्ड स्तर पर कार्यरत

स्वास्थ्यकर्मियों की संवाद क्षमता को सशक्त करना, समुदाय के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना तथा जीरो डोज बच्चों की पहचान कर उनका टीकाकरण सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर व्यवहार परिवर्तन संचार, समुदाय आधारित संवाद एवं डेटा आधारित फॉलोअप पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। यह पहल टीकाकरण कवरेज बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

सम्पादकीय

जानलेवा पेयजल

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा? लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था। सवाल है कि जब नागरिकों को स्वच्छ हवा और जल जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। कोई भी बड़ी योजना व नारा तब तक अर्थहीन है जब तक उन्हें जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई का समर्थन प्राप्त न हो। सर्वोच्च न्यायालय ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार अनुच्छेद-21 के तरह जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की त्रासदी दशार्ती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। इंदौर की घटना के बाद देश के सभी राज्यों में संबंधित विभागों व स्थानीय निकायों को पेयजल से जुड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना होगा कि कहीं पेयजल आपूर्ति लाइन जर्जर होकर दूषित पानी से तो नहीं मिल रही है। पेयजल आपूर्ति करने वाली मुख्य पाइप लाइनों का नियमित रूप से अवलोकन होना चाहिए। इस बाबत मंत्रालय और निकाय के अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। ऐसे गंभीर मामलों में लापरवाही के दोषियों को सख्त सजा देने का भी प्रावधान होना चाहिए।

दुनिया को संयुक्त राष्ट्र की जरूरत है

युद्ध-संघर्ष झेल चुके आम लोगों के लिए शांति और सुरक्षा का सपना

भूख, गरीबी व असमानता छाई है।?यूक्रेन व सूडान युद्धरत और गाजा खंडहर है। अफगानिस्तान में स्त्रियों की दुर्दशा है, पर कुछ लोग कहते हैं कि यूएन की जरूरत नहीं। हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र के 80 साल पूरे हो गए हैं। पर यह मौका जश्न मनाने का नहीं, बल्कि सोचने का है कि यह संगठन और इसका असली मतलब क्या है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की कहानी उन दूरदर्शी लोगों की कहानी है, जो 1945 में सैन फ्रांसिस्को में इकट्ठा हुए थे और जिन्होंने युद्ध से तबाह दुनिया को शांति की राह पर ले जाने का सपना देखा था। यह उन हजारों संयुक्त राष्ट्र कर्मचारियों की भी कहानी है, जो आज दुनिया के सबसे खतरनाक इलाकों में काम कर रहे हैं। यह कहानी उन आम लोगों की है, जो संघर्ष व युद्ध में अकल्पनीय दुख सहते हैं। ऐसे ही लोगों से मेरी मुलाकात एक संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी शिविर में हुई थी। ये शरणार्थी अपनी जान बचाने के लिए रेगिस्तान पार करके भागे थे। उनके पास शरीर पर कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं था। थे तो बस शरीर पर हिंसा के जख्म। एक मां ने मुझे बताया कि उसने कई बार मौत की दुआ की, ताकि उसे अपनी बेटी का बार-बार शोषण होते हुए न देखना पड़े। फिर भी उसे भरोसा है कि उसकी बेटी को शिविर में मनोवैज्ञानिक मदद मिलेगी और वह फिर से स्कूल जा पाएगी। ये वही लोग हैं, जिनके लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की आम बहस की शुरूआत में मैंने सभी से संस्था की असली उद्देश्यों पर खरा उतरने का आह्वान किया। दरअसल, यह उस हिम्मत और मजबूत इरादे की कहानी है, जो 1945 में सैन फ्रांसिस्को में इकट्ठा हुए दुनिया के नेताओं ने दिखाया था। उस वक्त कई लोग उन्हें नासमझ कह रहे थे, फिर भी उन्हें भरोसा था कि विश्व युद्धों की तबाही के बाद भी एक बेहतर व शांत भविष्य बनाया जा सकता है। यूक्रेन और सूडान में युद्ध हो रहे हैं। गाजा अब भी खंडहर बना हुआ है। तालिबान अफगानिस्तान की महिलाओं व लड़कियों को मानवाधिकारों से वंचित कर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। असमानता, अत्यधिक गरीबी और भूख है। यह सब तब हो रहा है, जब संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक और आर्थिक रूप से दबाव में है। बेशक इसे गहरे संरचनात्मक सुधारों की जरूरत है, पर जरा सोचिए कि अगर यह न होता, तो क्या होता! संयुक्त राष्ट्र ऐसे मुद्दों पर देशों को एकसाथ लाता है, जहां कोई भी देश अकेले कुछ नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए, परमाणु हथियारों के अप्रसार संधि के बिना, हर देश एटमी शक्ति बनने के लिए आजाद होता। कोविड महामारी का सामना भी दुनिया अकेले नहीं कर पाई। विकसित शहर भी खुद को जंगल की आग और बाढ़ से नहीं बचा सकते। ऐसे में, इस वैश्वीकृत, डिजिटलीकृत दुनिया में, हमारे पास दो ही रास्ते हैं-हम मिलकर काम करें, या फिर अलग होकर दुख सहें। इसलिए, इसी सोच के साथ मैंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सत्र की थीम रखी बेटर टूगेदर : 80 इयर्स एंड मोर फॉर पीस, डेवलपमेंट एंड् मन राइट्स। क्या आने वाले 80 वर्षों तक शांति, विकास और मानवाधिकारों को आगे बढ़ाने का संयुक्त राष्ट्र का मिशन आसान होगा? बिल्कुल नहीं। यह आसान कामों के लिए बनाया ही नहीं गया था। इसे इसलिए बनाया गया था कि यह सबसे मुश्किल समस्याओं का समाधान कर सके। संयुक्त राष्ट्र को और मजबूत, ज्यादा तेज, कम खर्चीला और भविष्य के लिए तैयार किया जाए। लेकिन सबसे बढ़कर, इसके लिए हर किसी को वैसी ही प्रतिबद्धता दिखानी होगी, जैसी 80 साल पहले सैन फ्रांसिस्को में संयुक्त राष्ट्र की नींव रखने वालों ने दिखाई थी, और जो आज यूक्रेन के किशोरों, सूडान की माताओं और भुला दी गई आपदाओं में फंसे लाखों लोग हर दिन दिखा रहे हैं।

यह कहानी उन आम लोगों की है, जो संघर्ष व युद्ध में अकल्पनीय दुख सहते हैं। ऐसे ही लोगों से मेरी मुलाकात एक संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी शिविर में हुई थी। ये शरणार्थी अपनी जान बचाने के लिए रेगिस्तान पार करके भागे थे। उनके पास शरीर पर कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं था। थे तो बस शरीर पर हिंसा के जख्म। एक मां ने मुझे बताया कि उसने कई बार मौत की दुआ की, ताकि उसे अपनी बेटी का बार-बार शोषण होते हुए न देखना पड़े। फिर भी उसे भरोसा है कि उसकी बेटी को शिविर में मनोवैज्ञानिक मदद मिलेगी और वह फिर से स्कूल जा पाएगी। ये वही लोग हैं, जिनके लिए संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र की आम बहस की शुरूआत में मैंने सभी से संस्था की असली उद्देश्यों पर खरा उतरने का आह्वान किया। दरअसल, यह उस हिम्मत और मजबूत इरादे की कहानी है, जो 1945 में सैन फ्रांसिस्को में इकट्ठा हुए दुनिया के नेताओं ने दिखाया था। उस वक्त कई लोग उन्हें नासमझ कह रहे थे, फिर भी उन्हें भरोसा था कि विश्व युद्धों की तबाही के बाद भी एक बेहतर व शांत भविष्य बनाया जा सकता है। यूक्रेन और सूडान में युद्ध हो रहे हैं। गाजा अब भी खंडहर बना हुआ है। तालिबान अफगानिस्तान की महिलाओं व लड़कियों को मानवाधिकारों से वंचित कर रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र का स्तर बढ़ रहा है। असमानता, अत्यधिक गरीबी और भूख है। यह सब तब हो रहा है, जब संयुक्त राष्ट्र राजनीतिक और आर्थिक रूप से दबाव में है। बेशक इसे गहरे संरचनात्मक सुधारों की जरूरत है, पर जरा सोचिए कि अगर यह न होता, तो क्या होता! संयुक्त राष्ट्र ऐसे मुद्दों पर देशों को एकसाथ लाता है, जहां कोई भी देश अकेले कुछ नहीं कर सकता। उदाहरण के लिए, परमाणु हथियारों के अप्रसार संधि के बिना, हर देश एटमी शक्ति बनने के लिए आजाद होता। कोविड महामारी का सामना भी दुनिया अकेले नहीं कर पाई। विकसित शहर भी खुद को जंगल की आग और बाढ़ से नहीं बचा सकते। ऐसे में, इस वैश्वीकृत, डिजिटलीकृत दुनिया में, हमारे पास दो ही रास्ते हैं-हम मिलकर काम करें, या फिर अलग होकर दुख सहें। इसलिए, इसी सोच के साथ मैंने संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस सत्र की थीम रखी बेटर टूगेदर : 80 इयर्स एंड मोर फॉर पीस, डेवलपमेंट एंड् मन राइट्स।

2026 में हमें बहुत सारी चीजें अलग तरह से करनी होंगी

पवन के. वर्मा

बीते वर्ष को देखने के दो तरीके होते हैं। पहला, उसके प्रमुख घटनाक्रमों को यंत्रवत रूप से रेखांकित भर करनाय और दूसरा, उनका मूल्यांकन करना, उनके प्रासंगिक पहलुओं को चिह्नित करना और यह देखना कि आने वाले वर्ष में क्या किए जाने की आवश्यकता है। मेरे विचार से, 2025 को चार केंद्रीय मुद्दों के लिए याद किया जाएगा रू चुनाव प्रक्रिया की स्वतंत्रता और निष्पक्षता को लेकर उठते सवालय दिल्ली तथा उससे सटे क्षेत्रों में साफ हवा का संकटय हमारे पड़ोस में जारी उथल-पुथल और ट्रम्प की अप्रत्याशित हरकतों के कारण भारत-अमेरिका संबंधों में पैदा हुई अस्थिरता। बिहार में एसआईआर को जिस तरह से अंजाम दिया गया, और अब जिस तरीके से इसे पूरे देश में किया जा रहा है, वह बहुत सारे प्रश्न अनुत्तरित छोड़ देता है। यहां मतदाता सूची की शुचिता सुनिश्चित करने के चुनाव आयोग के अधिकार पर सवाल नहीं हैं। लेकिन जिस अंदाज में वो अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन करता है, वह जरूर चिंताओं के दायरे में है। यह धारणा लगातार मजबूत हो रही है कि इस प्रक्रिया में पर्याप्त पारदर्शिता का अभाव है। और यह इस अन्य धारणा का परिणाम है कि संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार चुनाव आयोग की स्वायत्तता अपेक्षित स्तर की नहीं रह गई है। वास्तविक लोकतंत्र यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रतिस्पर्धी दलों के बीच होने वाले चुनाव निष्पक्ष हों और उनके नियम सभी पर समान रूप से लागू हों। इसके लिए स्वतंत्र चुनाव आयोग अनिवार्य है। और इसके लिए यह जरूरी है कि उसके आयुक्त तटस्थ हों। वे किसी दल के प्रति झुके न हों। यदि यह विश्वास खंडित होता है तो चुनावों की वैधता सवालों के घेरे में आ जाती है। 2025 ने इस संदर्भ में एक चेतावनी दी है। 2026 को आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने होंगे। 2025 में जारी वायु संकट- जिसने उत्तर भारत को हांफने पर मजबूर कर दिया और दिल्ली के निवासियों का दम घोंट दिया- ने भी नागरिकों को यह पूछने पर विवश किया कि यह समस्या हर साल क्यों दोहराई जाती है? इससे भी अधिक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि जब इसके भयावह नतीजे अच्छी तरह से मालूम हैं, तब भी सरकार इसे ठीक करने के लिए ठोस कदम क्यों नहीं उठाती? सरकार को इस आपदा के सामने असहाय देखना इस धारणा को जन्म देता है कि सत्ता में बैठे लोग केवल वहीं पर सक्रिय होते हैं, जहां वोट दांव पर हों। नागरिकों की ओर से यदि कोई संगठित पहल नहीं हो तो सरकारें बस इंतजार करती रहती हैं कि सालाना संकट अपने आप टल जाए। लेकिन 2025 ने संकेत दिया है कि लोग अब कह रहे हैं रू बहुत हुआ। 2026 वह वर्ष हो सकता है, जब नागरिक जवाबदेही की मांग करें। और तब सरकार को कार्रवाई करनी ही होगी। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, पहले नेपाल और फिर बांग्लादेश में उभरे जेन-जी विद्रोह ने भारत को अलग-थलग करने की चीन और पाकिस्तान की दुर्भावनापूर्ण मंशाओं को आगे बढ़ाने में मदद ही की। विशेष रूप से बांग्लादेश में शेख हसीना को उनके शासन के प्रति बढ़ती अलोकप्रियता के बारे में समय रहते सचेत न कर पाना हमारी कूटनीतिक विफलता रही। लगता है कि हमने वहां के विपक्ष के साथ संवाद के रास्ते खुले रखे बिना अपने सारे दांव उन्हीं पर लगा दिए। जमात-ए-इस्लामी जैसे अतिवादी दलों और भारत-विरोधी तत्वों को वित्तपोषित और प्रोत्साहित करने में पाकिस्तान की भूमिका का आकलन न कर पाना भी एक चूक रही। उधर पाकिस्तान में, कट्टरपंथी जनरल मुनीर का उभार चिंता का विषय है। मुनीर का ट्रम्प के साथ भोजन करना, सऊदी अरब को रिझाना और चीन के साथ तालमेल बैठाना भी इसी कड़ी में है। ट्रम्प पर हमारा भरोसा भी गलत साबित हुआ और उनके पक्षपातपूर्ण टैरिफों का हमने आक्रामक ढंग से प्रतिकार भी नहीं किया। जबकि चीन ने ट्रम्प की धमकियों का डटकर सामना किया और अब ट्रम्प अमेरिका और चीन से मिलकर बने जी-2 की बात कर रहे हैं। हम आशा ही कर सकते हैं कि 2026 में हालात बेहतर होंगे। नए साल की शुरूआत बीते साल पर आत्ममंथन का अवसर भी देती है। 2026 इसी के लिए एक आमंत्रण है, और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का भी। नववर्ष की शुभकामनाएं। हम आशा ही कर सकते हैं कि 2026 में हालात 2025 की तुलना में बेहतर होंगे। नए साल की शुरूआत बीते साल पर आत्ममंथन का अवसर देती है। 2026 इसी के लिए एक आमंत्रण है। आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का भी।

कांग्रेस का पतन केंद्रीकरण और छूटे अवसरों की कहानी

संजय बारू

बिहार विधानसभा चुनावों में मिली करारी हार और शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में प्रियंका गांधी के शानदार प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए, कई राजनीतिक विश्लेषक और कांग्रेस पार्टी के सदस्य एक बार फिर राहुल गांधी के नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं। श्री गांधी ने अपनी भारत जोड़ो यात्रा से जो राजनीतिक प्रभाव हासिल किया था, वह अब लुप्त होता दिख रहा है। एक और यात्रा की चर्चा चल रही है, शायद उनकी छवि और राजनीतिक अपील को बनाए रखने के लिए। हालांकि, पार्टी की दयनीय स्थिति के लिए केवल श्री गांधी को दोष देना अनुचित होगा। यूरोपीय उपनिवेशवाद से भारत की स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय आंदोलन का नेतृत्व करने वाली भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 1969 में औपचारिक रूप से विभाजित हो गई। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने अपनी काल्पनिक आत्मकथा द इनसाइडर में अपने एक पात्र के माध्यम से कहा है कि पार्टी एक स्वामित्व वाली संस्था बन गई थी। पुस्तक में यह टिप्पणी आपातकाल के समय के आसपास की है। प्रधानमंत्री कार्यालय और परिवार के भीतर राजनीतिक सत्ता के केंद्रीकरण के कारण, जिसमें मुख्यमंत्रियों को केवल रबर स्टैंप बनकर रह जाने का दर्जा प्राप्त हो गया था, ने मिलकर पार्टी के संगठनात्मक पतन में योगदान दिया था। 1980 के दशक में पार्टी का थोड़े समय के लिए पुनरुत्थान हुआ, लेकिन यह केंद्रीकृत मॉडल पर आधारित था। इंदिरा गांधी भारत बन गईं। इसके बाद हुए पतन को राजनीतिक विश्लेषकों ने बखूबी दर्ज किया है। राव के प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान, उन्होंने पार्टी संगठन को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया और कांग्रेस कार्य समिति के चुनाव कराए, लेकिन यह एक असफल प्रयोग साबित हुआ। हालांकि, अगर 1990 के दशक में देश भर में कांग्रेस का नेतृत्व एकजुट होकर पार्टी का जमीनी स्तर से पुनर्घ्नर्माण करता, तो उसके पास एक सामान्य, मुख्यधारा की अखिल भारतीय राजनीतिक पार्टी के रूप में खुद को फिर से स्थापित करने का अवसर था, जो किसी एक परिवार के करिश्मे पर निर्भर न हो। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसी शून्य का लाभ सोनिया गांधी और उनके आसपास के सत्ताधारी अभिजात वर्ग ने उठाया। भारतीय जनता पार्टी के उदय ने कांग्रेस को क्षेत्रीय दलों और कम्युनिस्टों के साथ मिलकर 2004 में गठबंधन सरकार बनाने का अवसर दिया। सत्ता में वापसी के बाद, कांग्रेस पार्टी क्षेत्रीय नेताओं को सशक्त बनाकर राज्य स्तर पर अपने संगठन को पुनर्जीवित कर सकती थी। केवल वाई.एस. राजशेखर रैड्डी ही ऐसा कर पाए और अंततरू आंध्र प्रदेश में उनके द्वारा निर्मित पार्टी संगठन को दिल्ली नेतृत्व ने धोखा देकर त्याग दिया। अन्य क्षेत्रों में, कांग्रेस शरद पवार, ममता बनर्जी, वाई.एस. जगनमोहन रैड्डी और अन्य लोगों को फिर से इसके खेमे में लाकर संगठनात्मक रूप से पुनर्जीवित हो सकती थी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दूसरी ओर, कार्यकाल का उपयोग नेहरू-गांधी परिवार के नेतृत्व को और मजबूत करने के लिए किया गया। यह सर्वविदित था कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी चाहती थीं कि उनका बेटा पार्टी की बागडोर संभाले। जहां कुछ नेताओं, जिनमें मुखर्जी प्रमुख थे, ने इस वंशवादी उत्तराधिकार का विरोध किया, वहीं अन्य, जिनमें प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह प्रमुख थे, ने इसे स्वीकार कर लिया। सितम्बर 2013 में, राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित अध्यादेश को सार्वजनिक रूप से अस्वीकार करके प्रधानमंत्री पद के अधिकार को चुनौती दी थी। वाशिंगटन डी.सी. से घर लौटते समय सिंह ने इस्तीफा देने की बजाय मीडिया से कहा कि वह कांग्रेस पार्टी में कोई भी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं और राहुल गांधी के नेतृत्व में काम करने में उन्हें बहुत खुशी होगी। फैसला हो चुका था। इस सोच पर सवाल उठाने वालों को दरकिनार कर दिया गया। पार्टी के क्षेत्रीय नेतृत्व पर 1969 के बाद एक ही व्यक्ति में राजनीतिक और संगठनात्मक शक्ति के केंद्रीकरण का असर पड़ा। 1998 में उस मॉडल पर वापस लौटने से पार्टी के आधार में और अधिक गिरावट आई। राहुल गांधी को यही क्षीण आधार विरासत में मिला। भाजपा ने जब इस माहौल में एक संगठन और कार्यकर्त्ता-आधारित पार्टी के रूप में कदम रखा, तो एक दशक के भीतर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे एक व्यक्ति-आधारित पार्टी में बदल दिया। भाजपा के भीतर क्षेत्रीय नेताओं को कमजोर कर दिया गया है, जबकि राजनीतिक रूप से कमजोर लोगों को सत्ता के पदों पर बिठा दिया गया है। यदि भाजपा इसी राह पर चलती रही, तो आर.एस.एस. से वर्तमान में मिल रहे समर्थन के बावजूद, संगठनात्मक रूप से उसका भी पतन होगा। व्यक्तित्व-आधारित राजनीति में प्रत्येक राजनेता अपने व्यक्तित्व को प्रदर्शित करके अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए प्रलोभित होता है। भाजपा के मुख्यमंत्री ऐसा करने से डरते हैं, क्योंकि मोदी ने शिवराज सिंह चौहान जैसे क्षेत्रीय नेताओं को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं, कांग्रेस पार्टी में राष्ट्रीय नेतृत्व की कमजोरी कर्नाटक में सिद्धारमैया और तेलंगाना में रेवंत रैड्डी जैसे क्षेत्रीय नेताओं को मुखर होने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। शशि थरूर, दिग्विजय सिंह, मनीष तिवारी, अश्वनी कुमार और पृथ्वीराज चव्हाण जैसे अन्य नेताओं का हाल ही में अधिक मुखर और सक्रिय होना भी इस बात का संकेत है कि इस केंद्रीकृत मॉडल को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है।

जानते हैं अपराधी आपसे अधिक तेजी से एआई सीख रहे हैं

एन. रघुरामन

जी हां, एआई के इस्तेमाल में अपराधी हम रोजमर्रा की चीजों में व्यस्त रहने वाले अधिकतर लोगों से कहीं आगे हैं। मैं आपको दो हफ्ते पहले का एक वाकिया बताता हूं, जो मैंने जयपुर एयरपोर्ट के ग्राउंड फ्लोर पर ब्राउन शुगर नाम की एक छोटी कॉफी शॉप के सामने खड़े होकर देखा। एक बुजुर्ग व्यक्ति ने 500 एमएल पानी की बोतल मांगी। दुकानदार ने 70 रुपए मांगे, ग्राहक ने 100 का नोट दिया। दुकानदार के पास 30 रुपए नहीं थे तो उसने ऑनलाइन पेमेंट करने को कहा। ग्राहक ने मना किया और क्रेडिट कार्ड से भुगतान किया। वह बोले कि चूंकि दुनिया में फिशिंग और दूसरे स्कैम्स बहुत ज्यादा और आसान हो रहे हैं तो मैं कोई ऑनलाइन पेमेंट नहीं करता। यही मेरी मेहनत की कमाई बचाने का तरीका है। सफर में तो मैं डेबिट कार्ड तक नहीं रखता। वह सही था या नहीं, यह बहस का मुद्दा हो सकता है। लेकिन सच यह है कि भरोसेमंद, समझने योग्य और नियंत्रित एआई सिस्टम बनाने वाली एंथ्रोपिक, ओपनएआई, अमेजन और गूगल जैसी बड़ी कंपनियां भी मानती हैं कि साइबर अपराधी बड़ी फिशिंग योजनाएं, मालवेयर बनाने और अन्य साइबर हमलों के लिए उनकी तकनीक इस्तेमाल कर रहे हैं। कानेर्गी मेलॉन यूनिवर्सिटी के पीएचडी शोधार्थी ब्रायन सिंगर कहते हैं कि दुनिया भर के स्पैम और फिशिंग का आधे से लेकर तीन चौथाई हिस्सा एआई से जनरेट किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि टॉप कॉर्पोरेट एग्जीक्यूटिव्स के डीप-फेक ऑडियो और वीडियो बनाने के लिए भी ऐसे ही एआई टूल्स इस्तेमाल किए जा रहे हैं, ताकि बेखबर कर्मचारियों से जानकारी

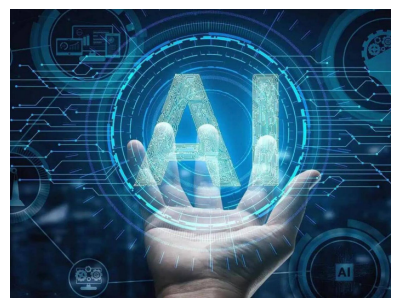

निकाली जा सके। एंथ्रोपिक ने स्वीकार किया है कि उसने ऐसे कई मामलों को रोका है, जिनमें थोड़ी-सी तकनीकी समझ वाले अपराधी भी रैनसमवेयर बनाने के लिए उसके एआई क्लॉड का इस्तेमाल कर रहे थे। इसीलिए शुरू में मैंने कहा था कि एआई साइबर अपराधियों को ज्यादा कुशल बना रहा है, ताकि वे अपनी कारगुजारियों को और बढ़ा सकें। एयरपोर्ट वाले ग्राहक एक बात पर बिल्कुल सही थे- साइबर धोखाधड़ी अब ज्यादा व्यापक, लक्षित और भरोसेमंद हो चुकी है।गूगल थ्रेट इंटेलिजेंस ग्रुप के चीफ एनालिस्ट जॉन हल्टक्विस्ट मानते हैं कि अपराधी शिकार बन सकने वाले लोगों को पहचानने में बेहतर हो रहे हैं। मसलन, वे एआई के जरिए सोशल मीडिया स्कैन कर ऐसे लोगों की पहचान कर रहे हैं, जिनकी नौकरी छूटी हो, तलाक हुआ हो या परिवार में किसी की मौत हुई हो, ताकि उन्हें जॉब, रोमांस या इन्वेस्टमेंट संबंधी धोखाधड़ी में फंसा सकें। सोच रहे हैं कि वे यह कैसे कर रहे हैं? वाइब-कोडिंग या वाइब-हैकिंग एक नया चलन है, जिसमें कोई संभावित साइबर अपराधी डार्क वेब से खरीदने के बजाय खुद एआई के जरिए अपना प्रोग्राम तैयार कर सकता है। डार्क वेब विशेष सॉफ्टवेयर के जरिए इस्तेमाल हो सकने वाला इंटरनेट का वह गुप्त हिस्सा है, जो एन्क्रिप्टेड नेटवर्क के जरिए गुमनाम पहचान देता है और यह अवैध गतिविधियों के लिए बदनाम है। सवाल यह है कि क्या हमें अपनी सुरक्षा के तरीके बदलने चाहिए? जब एआई कंपनियां खुद की सुरक्षा मजबूत करने के लिए ऐसी ही तकनीक इस्तेमाल कर रही हैं, तो मोबाइल, कम्प्यूटर इस्तेमाल कर रहे हम जैसे आम लोगों के लिए थोड़ी सी शंका और अच्छा ऑनलाइन अनुशासन सबसे बेहतर बचाव हो सकता है। भेजने वाले की पहचान सत्यापित किए बिना कभी कोई अटैचमेंट ना खोलें। विशेषज्ञ कहते हैं कि मल्टी-फैक्टर ऑथेंटिकेशन बेहद प्रभावी है। और अगर आपको पैसा ट्रांसफर करने या कोई बिल भरने के लिए बॉस या किसी परिजन का वॉयसमेल, ऑडियो-वीडियो कॉल आए तो तत्काल कॉल काटें और उन्हें दोबारा कॉल करें। दो बार सुनिश्चित करें कि क्या वह सही है।

'गिग मॉडल की असली ताकत है लचीलापन', बोले दीपिंदर गोयल; 2025 में डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई 10.9% बढ़ी

नई दिल्ली। साल 2025 में जोमैटो डिलीवरी पार्टनर्स की औसत कमाई में 10.9% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। संस्थापक दीपिंदर गोयल ने गिग मॉडल को लचीला, सुरक्षित और अतिरिक्त आय का भरोसेमंद जरिया बताया। जोमैटो के डिलीवरी पार्टनर्स की कमाई को लेकर उठ रहे सवालों के बीच कंपनी के संस्थापक दीपिंदर गोयल ने गिग मॉडल का मजबूती से बचाव किया है। उन्होंने बताया कि 2025 में जोमैटो डिलीवरी पार्टनर्स की औसत प्रति घंटे की कमाई 10.9% बढ़कर 102 रुपये हो गई है, जो 2024 में 92 रुपये थी। दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए आंकड़ों में कहा कि अगर कोई डिलीवरी पार्टनर दिन में 10 घंटे और महीने में 26 दिन काम करता है, तो उसकी कुल मासिक कमाई करीब 26,500 रुपये होती है। ईंधन और रखरखाव जैसे खर्च निकालने के बाद नेट आय लगभग 21,000 रुपये बैठती है।

कृति सेनन की बहन नूपुर की हुई सगाई

बॉयफ्रेंड ने यॉट पर रोमांटिक अंदाज में किया प्रपोज, तस्वीरें वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। पिछले दिनों खबर सामने आई थी कि नूपुर जल्द ही अपने बॉयफ्रेंड संग शादी के बंधन में बंधेंगी। इसी बीच अब उन्होंने मशहूर सिंगर स्टेबिन बेन से सगाई कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए फैंस को दी है। नूपुर और स्टेबिन के रोमांटिक की खूबसूरत अब इंटरनेट पर तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। 3 जनवरी को नूपुर सेनन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सगाई की कई तस्वीरें शेयर कीं। ये तस्वीरें उनकी छुट्टियों के दौरान ली गई हैं, जहां स्टेबिन बेन ने एक शानदार यॉट पर रोमांटिक अंदाज में हसीना को प्रपोज किया। पहली तस्वीर में स्टेबिन घुटनों पर बैठकर नूपुर को प्रपोज करते नजर आ रहे हैं, जबकि उनके आसपास कुछ लोग क्या तुम मुझसे शादी करोगी? लिखे प्लेकार्ड पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। दूसरी तस्वीर में नूपुर अपनी डायमंड एंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करती नजर आती हैं। वहीं एक और फोटो में होने वाले दूल्हा-दुल्हन एक-दूसरे को गले लगाते दिख रहे हैं। एक खास तस्वीर में कृति सेनन भी नूपुर और स्टेबिन को गले लगाती नजर आती हैं, हालांकि उनका चेहरा पूरी तरह साफ नहीं दिख रहा है। इन तस्वीरों के साथ नूपुर ने एक बेहद प्यारा कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, संभावनाओं से भरी इस दुनिया में, मुझे अब तक का सबसे आसान हां कहने का मौका मिला। पोस्ट सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों की बाढ़ आ गई। प्रियंका चाहर चौधरी, अभिषेक बजाज, करण टैकर समेत कई सेलेब्स और फैंस ने इस कपल को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। सगाई के बाद अब नूपुर और स्टेबिन की शादी को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों की शादी की रस्में 9 से 11 जनवरी के बीच हो सकती हैं, जिसमें 11 जनवरी को उनकी शादी होने की संभावना है।

नए साल की शुरूआत में ही टूटा इस फेमस टीवी एक्टर का घर, शादी के 11 साल बाद पत्नी से लिया तलाक

टीवी सीरियल उड़ने की आशा से घर-घर में पहचान बनाने वाले एक्टर कृप कपूर सूरी के लिए नया साल काफी मुश्किलों भरा चढ़ा। 2026 की शुरूआत में ही एक्टर का घर टूट गया। कृप कपूर ने पत्नी सिमरन कौर से अलग हो गए हैं। कपल ने शादी के 11 साल बाद एक दूजे को तलाक दे दिया है। रिपोर्ट

के अनुसार कृप कपूर सूरी और सिमरन कौर के बीच काफी दिक्कतें चल रही थीं। वे लंबे वक्त से एक-दूसरे से दूर रह रहे थे, लेकिन अब दोनों ने ऑफिशियल तौर पर तलाक ले लिया है। सिमरन ने एक जनवरी 2026 को सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर कृप कपूर सूरी से अपने तलाक की घोषणा की। उन्होंने अपने पोस्ट में एक्स पति को टैग करते हुए लिखा- आपसे अलग होना मेरी कमजोरी नहीं थी। खुद के प्रति सच्चा रहना ही मेरी बहादुरी थी। मुझे फिर से शुरूआत करने की इजाजत है। मुझे बिना गिल्ट के मुस्कुराने की अनुमति है। अपनी बेटी रे को थामे हुए। खुद को और भी करीब से थामे हुए। ये लव मैरिज का चौप्टर गरिमा के साथ खत्म हुआ। कृप और सिमरन की तलाक की खबरों ने सबको हैरान कर दिया है। बता दें, कृप और सिमरन ने 6 दिसंबर 2014 को शादी रचाई थी। 2020 में इस कपल ने बेटी का स्वागत किया था, जिसका नाम इन्होंने रे कपूर सूरी रखा। रिपोर्ट के अनुसार एक्टर अब अकेले ही अपनी बेटी की देखभाल कर रहे हैं।

फेमस एक्टर ने ले ली 60 वर्षीय बुजुर्ग की जान, नशे में धुत होकर चला रहा था कार

नए साल की शुरूआत दुखद खबर के साथ हुई, जब मलयालम टीवी के चर्चित शो थट्टीम मुट्टीम से पहचान बनाने वाले अभिनेता सिद्धार्थ प्रभु की कार से हुए हादसे में 60 वर्षीय बुजुर्ग थंगराज की मौत हो गई। यह हादसा क्रिसमस की शाम 24 दिसंबर को एमसी

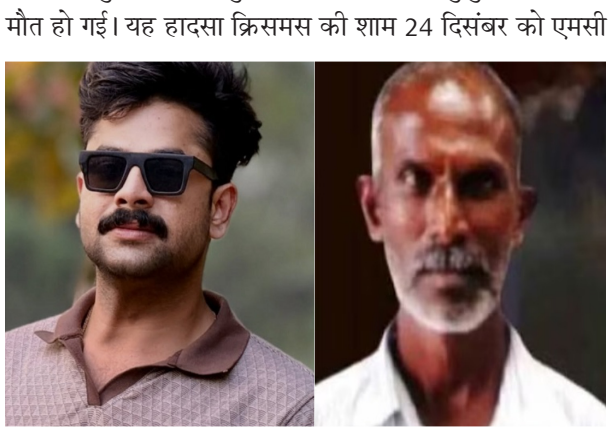

रोड, नट्टकम कॉलेज जंक्शन के पास हुआ था। थंगराज सड़क किनारे लॉटरी टिकट बेचकर अपना गुजारा करते थे। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार, सिद्धार्थ प्रभु की कार अचानक अनियंत्रित हो गई और थंगराज को रौंदते हुए आगे निकल गई। गंभीर रूप से घायल थंगराज को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। कई दिनों तक इलाज के बाद गुरुवार, 1 जनवरी को उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस जांच में पता चला कि हादसे के समय सिद्धार्थ प्रभु कार चला रहे थे और उनका ब्लड अल्कोहल लेवल कानूनी सीमा से काफी अधिक था। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि वह नशे में थे और मौके पर लोगों व पुलिस से झगड़ते नजर आए। पुलिस को उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर थाने ले जाना पड़ा। थंगराज की मौत के बाद मामला और गंभीर हो गया है। चिंगावनम पुलिस ने अभिनेता पर भारतीय दंड संहिता की धारा 304-ए (गैर-इरादतन हत्या) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटना में शामिल कार भी जब्त कर ली है और जांच में हर सबूत जुटाया जा रहा है। राज्य भर में इस हादसे की निंदा हो रही है और थंगराज के परिवार के लिए न्याय की मांग उठ रही है। पुलिस और प्रशासन मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं।

बिग बॉस 10 फेम नितिभा कौल ने बॉयफ्रेंड से की सगाई

रोमांटिक अंदाज में फ्लॉन्ट की इंगेजमेंट रिंग

बिग बॉस 10 से चर्चा में आईं नितिभा कौल इस वक्त अपनी लव लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड से सगाई कर ली है और इसकी अनाउंसमेंट उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो के जरिए की। उनका यह खास पल देखते ही देखते इंटरनेट पर छा गया, जहां फैंस और सेलेब्स लगातार उन्हें बधाइयां दे रहे हैं। नितिभा कौल ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर अपने बॉयफ्रेंड के प्रपोजल का एक बेहद प्यारा और इमोशनल वीडियो शेयर किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि नितिभा आंखों पर पट्टी बांधे एक खूबसूरती से सजाए गए वेन्यू पर पहुंचती हैं, जहां हर तरफ फूलों की सजावट होती है। जैसे ही वह आंखों से पट्टी हटाती हैं, उनके बॉयफ्रेंड घुटनों पर बैठकर उन्हें प्रपोज करते हैं। इस सरप्राइज को देखकर नितिभा खुशी से झूम उठती हैं और बिना देर किए हां कह देती हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए नितिभा ने कैप्शन में लिखा- ह्लइस खूबसूरत दिन पर, मेरे लव ऑफ लाइफ ने मुझे हमेशा के लिए अपना बनाने का प्रपोजल दिया। सालों तक देर रात की फोन कॉल, एयरपोर्ट पर गुड बाय, एंडलेस आंसू और कॉन्टिनेंट्स और टाइम जोन के पार एक-दूसरे से प्यार करने के बाद, इस पल ने हर सेकंड को वर्थ बना दिया। उन्होंने बहुत अच्छा किया, यह प्रपोजल मेरे सपनों के फेयरीटेल जैसा था-सरप्राइज, कैसल, रिंग और सबसे बढ़कर, वह इंसान जो मुझे हर दिन दुनिया की सबसे लकी लड़की होने का एहसास कराता है। उन्होंने लिखा- मैं अपने अगले चौप्टर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं... हमारा हमेशा का साथ। मैं अभी भी इस दिन के मैजिक में डूबी हुई हूं, अभी भी इस बात को समझने की कोशिश कर रही हूं कि मैं अब एक श्मगेतरश हूं। मैं सभी डिटेल्स और उन्होंने यह कैसे किया, ये शेयर करने के लिए एक्साइटेड हूं, लेकिन अभी के लिए, मैं बस इस पल को महसूस कर रही हूं।ह्लनितिभा कौल पहले भी खुलासा कर चुकी हैं कि वह और उनके बॉयफ्रेंड लंबे समय तक लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप में रहे हैं। उन्होंने एक पुराने पोस्ट में बताया था कि यूरोप में हुई एक अचानक मुलाकात ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। दोनों ने एक ऐसी लॉन्ग-डिस्टेंस लव स्टोरी की शुरूआत की, जो देखने में भले ही मुश्किल थी, लेकिन प्यार, म्यूजिक, कॉफी और एक जैसी पसंद ने उन्हें और करीब ला दिया। उनके अनुसार, दूरी ने भले ही उन्हें भौतिक रूप से अलग रखा, लेकिन म्यूजिक और भावनाओं ने उनके दिलों को हमेशा जोड़े रखा। काम के लिए की गई यात्राएं धीरे-धीरे प्यार भरी यादों में बदल गईं। नितिभा कौल ने बिग बॉस 10 में बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लिया था, जो अक्टूबर 2016 से जनवरी 2017 तक चला। उस सीजन के विजेता मनवीर गुर्जर रहे थे। खास बात यह है कि नितिभा ने इस रियलिटी शो में भाग लेने के लिए गूगल में अपनी नौकरी तक छोड़ दी थी। शो के बाद उन्होंने खुद को एक सफल लाइफस्टाइल और ब्यूटी कंटेंट क्रिएटर के रूप में स्थापित किया। आज नितिभा सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं और इंस्टाग्राम पर उनके 10 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।

अनुपम खेर ने शुरू की खोसला का घोसला 2 की शूटिंग

550वीं फिल्म करने पर बोले- अभी इंटरवल पॉइंट पर पहुंचा हूं

अनुपम खेर ने अपनी 550वीं फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। ये फिल्म खोसला का घोसला का दूसरा पार्ट है। जानिए इस मौके पर अनुपम ने किस तरह अपने सफर को किया याद दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपनी 550वीं फिल्म की घोषणा कर दी है और इसकी शूटिंग भी शुरू कर दी है। सबसे खास बात ये है कि यह फिल्म अनुपम की हिट फिल्म खोसला का घोसला का दूसरा पार्ट खोसला का घोसला 2 है। एक्टर ने इसकी जानकारी देते हुए अपने सिनेमाई सफर के बारे में एक पोस्ट साझा की है। जानिए इस पोस्ट में अनुपम ने क्या कुछ कहाह्व अनुपम ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें अनुपम खेर की तस्वीर के साथ उनकी बाकी

फिल्मों से उनके किरदारों की तस्वीरें बनी हैं। साथ ही लिखा है 550 नॉट आउट। इसके कैप्शन में अनुपम खेर ने अपने सफर पर नजर डालते हुए लिखा, तो आप भारतीय सिनेमा के मैराथन मैन हैं। पिछले साल कान फिल्म फेस्टिवल में एक अंतरराष्ट्रीय निर्देशक ने मुझसे कहा था, जब मैंने उन्हें अपनी फिल्मों की संख्या बताई थी। तो आज जब मैं अपनी 550वीं फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग शुरू कर रहा हूं, तो मेरा दिल कृतज्ञता और धन्यवाद से भरा है। जब मैं 3 जून 1981 को सपनों के शहर मुंबई में उतरा, तब मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं 550 फिल्मों का यह मील का पत्थर हासिल कर लूंगा। सपनों की कोई सीमा नहीं होती अपनी पोस्ट में आगे खोसला का घोसला 2 की शूटिंग के पहले दिन का जिक्र करते हुए अनुपम ने आगे लिखा, लेकिन मैं यहां दिल्ली में हूं और खोसला का घोसला 2 के लिए अपना पहला शॉट देने को तैयार हूं। आपको बता दूं कि मुझे सच में लगता है कि मेरे पास देने के लिए बहुत कुछ है, करने के लिए बहुत कुछ है। मैं अभी अपने जीवन और करियर के 'इंटरवल पॉइंट' पर ही पहुंचा हूं। सपनों की कोई समय सीमा नहीं होती। मेरा आशावाद, मेरा कभी हार न मानने वाला रवैया और मेरी कड़ी मेहनत करने की क्षमता मेरी सबसे बड़ी ताकत रही है। लेकिन इन सभी वर्षों में मेरा टिके रहना केवल मेरे सभी निमार्ताओं, निर्देशकों, को-एक्टर्स, टेक्नीशियंस और सबसे बढ़कर आप, मेरे दर्शकों के समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है। आपके समर्थन के बिना इस मुकाम तक पहुंचना कभी संभव नहीं होता। इसलिए दिल से बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हो! जय हिंद! ओम नमः शिवाय! आखिरी बार 'द बंगाल फाइल्स' में नजर आए अनुपम खेर 70 साल की उम्र में भी अनुपम खेर फिल्मों में लगातार सक्रिय हैं। साल 2025 में भी वो कई फिल्मों में नजर आए। इनमें उनके निर्देशन में बनी 'तन्वी द ग्रेट' के अलावा 'मेट्रो इन दिनों', 'द बंगाल फाइल्स' और 'हरि हर वीर मल्लु' जैसी फिल्में शामिल हैं।

उत्पीड़न के आरोपों से घिरे विल स्मिथ, एक्टर ने तोड़ी चुप्पी; इल्जामों को बताया झूठा और बेबुनियाद

हॉलीवुड एक्टर विल स्मिथ पर मुश्किल में घिर चुके हैं। उन पर पूर्व साथी और वायलिन प्लेयर ने यौन उत्पीड़न के अलावा कई आरोप लगाए हैं। अब इस मामले में विल स्मिथ का पक्ष भी सामने आ चुका है। हॉलीवुड के चर्चित एक्टर विल स्मिथ पर ब्रायन किंग जोसेफ नाम के वायलिन प्लेयर ने यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर सनसनी फैला दी है। अब इस मामले पर विल स्मिथ ने भी चुप्पी तोड़ी है। वह वायलन प्लेयर के आरोपों को झूठा बता रहे हैं। विल स्मिथ के वकील ने रखा एक्टर का पक्ष विल स्मिथ के वकील एलेन ग्रोडस्की ने एक्टर पर लगे सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। वह इन आरोपों को झूठा और गैर-जिम्मेदाराना बताते हैं। वकील ने यह भी कहा कि विल स्मिथ इन आरोपों का कानूनी तरीके से जवाब देंगे। एक्टर इस मामले की पूरी सच्चाई सामने लाएंगे। वायलिन प्लेयर ने विल पर क्या-क्या आरोप लगाए ब्रायन किंग जोसेफ ने 'बेस्ड ऑन अ ट्रू स्टोरी 2025' टूर के दौरान स्मिथ के साथ परफॉर्मेंस दी थी। उन्होंने हाल ही में लॉस एंजिल्स की एक अदालत में अभिनेता और उनकी मैनेजमेंट फर्म ट्रेबॉल स्टूडियोज मैनेजमेंट के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। 31 दिसंबर को दायर किए गए इस मुकदमे में मार्च में टूर के लास वेगास स्टॉप के दौरान हुई एक घटना के बाद यौन उत्पीड़न, बदला और गलत तरीके से बर्खास्तगी का आरोप लगाया गया है।

हार्दिक पांड्या ने विदर्भ के खिलाफ दिखाया दम, एक ओवर में जड़े पांच छक्के; खेली शतकीय पारी

राजकोट। विजय हजारे ट्रॉफी में अपना पहला मैच खेलने उतरे हार्दिक पांड्या ने दमदार बल्लेबाजी की। उन्होंने ना सिर्फ शतक लगाया, बल्कि एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाने का कारनामा भी किया। भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने विदर्भ के खिलाफ अपना दम दिखाया। विजय हजारे ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए हार्दिक ने दमदार शतकीय पारी खेली। इतना ही उन्होंने एक ओवर में लगातार पांच छक्के लगाए। हार्दिक ने इस दौरान अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का शानदार नमूना पेश किया। उन्होंने 93 गेंदों में 133 रन बनाए। हार्दिक ने 68 गेंदों पर पूरा किया शतक बड़ौदा का स्कोर एक समय छह विकेट पर 136 रन था, लेकिन इसके बाद हार्दिक ने अपना कमाल दिखाया। उन्होंने अपनी पारी में कुल मिलाकर 11 छक्के और आठ चौके लगाए। हार्दिक ने महज 68 गेंदों पर शतक लगाया और टी20 विश्व कप के ठीक पहले बल्लेबाजी में दमदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में अपना पहला मैच खेल रहे हार्दिक ने सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तूफानी पारी खेली। इस तरह से वह अपने 119वें मैच में लिस्ट ए में अपना पहला शतक जमाने में सफल रहे।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की मौत

खोकन चंद्र दास ने इलाज के दौरान तोड़ा दम; भीड़ ने लगाई थी आग

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमले थम नहीं रहे। शरियतपुर जिले में पेट्रोल डालकर जिंदा जलाए गए हिंदू दुकानदार खोकन दास की अस्पताल में मौत हो गई। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शरियतपुर जिले के बाजार में मेडिकल स्टोर चलाने वाले हिंदू व्यापारी खोकन चंद्र दास की शनिवार सुबह ढाका के नेशनल बर्न इंस्टीट्यूट में इलाज के दौरान मौत हो गई। नए साल की पूर्व संध्या पर हमलावरों ने उन पर पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया था। डॉक्टरों के मुताबिक, खोकन दास के शरीर का करीब 30 प्रतिशत हिस्सा झुलस गया था। उनके चेहरे और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचा था। अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. शौन बिन रहमान ने बताया कि सुबह करीब 7:20 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। कैसे हुआ हमला? स्थानीय अखबार प्रथम आलो के अनुसार, यह घटना 31 दिसंबर की रात करीब 9:30 बजे दामुदिया उपजिला के कोनेश्वर यूनियन स्थित केउरभांगा बाजार के पास हुई। दुकान बंद कर घर लौट रहे खोकन दास को रास्ते में बदमाशों ने रोका, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग से बचने की कोशिश में खोकन दास पास के तालाब में कूद गए। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। गंभीर हालत में उन्हें पहले शरियतपुर सदर अस्पताल और फिर ढाका रेफर किया गया था। परिवार का दर्द और इंसाफ की मांग खोकन दास की पत्नी सीमा दास, गोद में छोटे बच्चे को लिए फूट-फूटकर रोती नजर आईं। उन्होंने कहा मेरे पति रोज की तरह दुकान बंद कर घर लौट रहे थे। उन्होंने कहा कि उनके पति ने दो हमलावरों को पहचान लिया था, इसी वजह से बदमाशों ने उनकी हत्या की नीयत से पेट्रोल डालकर आग लगा दी। उन्होंने कहा कि परिवार की किसी से दुश्मनी नहीं है और किसी तरह का कोई विवाद भी नहीं था, फिर भी इस तरह का हमला क्यों हुआ, यह समझ से बाहर है। परिवार ने मामले की निष्पक्ष जांच और सभी आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। खोकन दास के रिश्तेदार प्रांतो दास ने कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। पुलिस का क्या कहना है? दामुदिया थाने के प्रभारी मोहम्मद रबिउल हक के अनुसार, पुलिस ने दो आरोपियों रब्बी और सोहाग की पहचान कर ली है। दोनों स्थानीय निवासी हैं और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। अन्य संभावित आरोपियों की भी तलाश जारी है।

थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर सिर्फ संथानकूडू उर्स की अनुमति

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी स्थित दरगाह में केवल संथानकूडू उर्स पर्व की अनुमति दी है। 50 लोगों की सीमा तय की गई है और पशु बलि पर रोक लगाई गई है। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने थिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित हजरत सुल्तान सिकंदर बदुशा दरगाह में आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों को लेकर अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यहां केवल संथानकूडू उर्स पर्व आयोजित किया जा सकेगा और इसमें अधिकतम 50 लोगों की ही भागीदारी होगी। सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार ने अदालत को बताया कि 6 जनवरी को होने वाले संथानकूडू उर्स के लिए ही अनुमति दी जाएगी, जैसा कि वर्ष 2023 में किया गया था। सरकार ने यह भी साफ किया कि कंधूरी महोत्सव की इजाजत नहीं दी जाएगी। पशु बलि और मांसाहार पर सख्त रोक कोर्ट के आदेश के अनुसार,

आयोजन के दौरान पशु बलि, मांस या मांसाहारी भोजन ले जाने और पकाने की अनुमति नहीं होगी। मामले में आगे की सुनवाई के लिए अदालत ने 20 जनवरी की तारीख तय की है। गौरतलब है कि पिछले महीने संथानकूडू उत्सव के झंडारोहण को लेकर स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि अदालत के आदेश के अनुसार तमिल माह कार्तिगई में पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाया जाए। इससे पहले मद्रास हाईकोर्ट द्वारा दीप स्तंभ पर दीप प्रज्ज्वलन के आदेश के बाद दो समुदायों के बीच तनाव बढ़ गया था, जो झड़प में बदल गया। हालात बिगड़ने के मद्देनजर राज्य सरकार ने कानून-व्यवस्था का हवाला देते हुए इस आदेश को चुनौती दी थी। विवाद के बीच मदुरै में एक 40 वर्षीय व्यक्ति ने आत्मदाह कर लिया था। वह कार्तिगई दीपम न जलाए जाने के विरोध में प्रदर्शन कर रहा था। इस घटना के बाद मामला और संवेदनशील हो गया।

'हमें पता है निशाना कहां साधना है', बोला तेहरान

ईरान में विरोध-प्रदर्शन पर ट्रंप के बयान से बढ़ा तनाव

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में आर्थिक अस्थिरता और मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव से प्रभावित लोगों के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने हालात और संवेदनशील बना दिए हैं। तेहरान ने ट्रंप की टिप्पणी को लापरवाह और खतरनाक करार देते हुए साफ चेतावनी दी है कि ईरान की संप्रभुता में किसी भी तरह का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ईरान सरकार का कहना है कि हालिया विरोध प्रदर्शन नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है और अधिकांश प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहे हैं। हालांकि, कुछ स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी सामने आई हैं, जिनमें पुलिस थाने पर हमला और सुरक्षाबलों पर मोलोटोव कॉकटेल फेंके जाने जैसी घटनाएं शामिल हैं। सरकार ने इन्हें अलग-थलग आपराधिक कृत्य बताया है। तेहरान बोला- संप्रभुता से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं तेहरान ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिका के भीतर नेशनल गार्ड की तैनाती करने वाले ट्रंप को यह भली-भांति समझना चाहिए कि सार्वजनिक संपत्ति पर हमले किसी भी देश में स्वीकार्य नहीं होते। ऐसे में ईरान के आंतरिक मामलों पर बयानबाजी न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि क्षेत्रीय शांति के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। ईरानी नेतृत्व ने आरोप लगाया कि ट्रंप का बयान उन ताकतों से प्रभावित हो सकता है, जो कूटनीति से डरती हैं या उसे अनावश्यक

मानती हैं। ईरान ने दोहराया कि उसका इतिहास गवाह है देश के लोग हमेशा बाहरी हस्तक्षेप को सख्ती से खारिज करते आए हैं। बयान में यह भी स्पष्ट किया गया कि ईरान की सशस्त्र सेनाएं पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी तरह की संप्रभुता-उल्लंघन की स्थिति में जवाब देने में सक्षम हैं। हम जानते हैं कि कहां और कैसे जवाब देना है, यह संदेश अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिका और उसके सहयोगियों को दिया गया। प्रदर्शनकारियों पर कथित गोलीबारी को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भड़क गए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि अगर ईरान शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वालों पर गोली चलाता है और उन्हें नुकसान पहुंचाता है, तो अमेरिका उनकी मदद के लिए आगे आएगा और कार्रवाई के लिए तैयार रहेगा। किसी भी दुस्साहस पर अमेरिकी ठिकाने निशाने पर होंगे- ईरान की चेतावनी ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सैन्य धमकियों पर कड़ा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ने कोई भी सैन्य दुस्साहस किया, तो पूरे क्षेत्र में मौजूद उसके सभी सैन्य ठिकाने और बल ईरान के लिए वैध लक्ष्य होंगे। गालिबफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरानी जनता ने इतिहास में हमेशा अपने दुश्मनों को निराश किया है और इस बार भी ऐसा ही होगा। उन्होंने साफ किया कि व्यापारियों और दुकानदारों के शांतिपूर्ण प्रदर्शनों को ईरानी सरकार ने अनुमति दी है, लेकिन विदेशी खुफिया एजेंसियों की कोशिश थी कि इन विरोध प्रदर्शनों को हिंसक बनाया जाए, जो जनता की सतर्कता के कारण नाकाम रही। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने नागरिकों और विदेशी ताकतों के इशारे पर काम करने वाले तत्वों को एक नजर से नहीं देखेगा।गालिबफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति को चेतावनी देते हुए कहा कि ईरानी जनता एकजुट है और किसी भी बाहरी हस्तक्षेप का मजबूती से जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। क्यों हो रहे विरोध प्रदर्शन? ताजा विरोध प्रदर्श रविवार को तब शुरू हुए, जब दुकानदार मुद्रा में तेज गिरावट और बढ़ती कीमतों के कारण सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर आए।

एरिजोना राज्य के पहाड़ी इलाके में निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट और तीन महिलाओं की मौत

सुपीरियर (अमेरिका) (एजेंसी)। अमेरिका के एरिजोना राज्य में एक निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पायलट और तीन महिलाओं की मौत हो गई। संघीय विमानन प्रशासन और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस हादसे की जांच कर रहे हैं। अमेरिका के एरिजोना राज्य के एक पहाड़ी इलाके में शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को एक निजी हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी चार लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मृतकों

में पायलट (59 वर्षीय), दो महिलाएं (21 वर्षीय) और एक महिला (22 वर्षीय) शामिल हैं। पिनाल काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह जानकारी दी। मृतकों के नाम अभी जारी नहीं किए गए हैं। शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 11 बजे टेलीग्राफ कैन्यन के पास हुआ, जो फीनिक्स से करीब 64 मील (103 किलोमीटर) पूर्व में स्थित है। बताया गया कि हेलिकॉप्टर पहाड़ों के बीच लगे एक मनोरंजन के लिए लगाए गए चौड़ी रस्सी' से टकरा गया, जिसकी लंबाई एक किलोमीटर से अधिक थी। शेरिफ कार्यालय ने बताया कि 911 पर कॉल करने वाले एक चश्मदीद ने कहा कि उसने हेलिकॉप्टर को उस रस्सी के एक हिस्से से टकराते हुए देखा, जिसके बाद वह नीचे खाई में गिर गया। इस हादसे की जांच संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) कर रहे हैं। हेलिकॉप्टर ने क्वीन क्रीक शहर के एक हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी, जो दुर्घटनास्थल से करीब 29 मील (47 किलोमीटर) पश्चिम में है। दुर्घटनास्थल दूर-दराज का इलाका होने के कारण बचाव दल को पैदल पहुंचने में कई घंटे लगे।

हिंदू शख्स को जिंदा जलाने का मामला; भतीजे ने बयां की भयावहता, कहा- खून की प्यासी थी भीड़

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में भीड़ की हिंसा के शिकार हुए खोकन चंद्र दास के भतीजे ने घटना वाले दिन की भयावहता को बयां किया है। सौरभ ने कहा, मेरे चाचा की कभी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वह आईसीयू में हैं और उनकी हालत बहुत गंभीर है। खून की प्यासी भीड़ हत्या के इरादे से उनके पास आई थी। खोकन चंद्र दास के परिवार ने शुक्रवार को उन पर हुए क्रूर हमले की भयावहता बयां की और कहा, हमले में भीड़ का मकसद स्पष्ट नहीं है क्योंकि वह एक शांतिप्रिय इंसान थे। खोकन चंद्र दास के भतीजे सौरभ ने कहा, मेरे चाचा की कभी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। वह आईसीयू में हैं और उनकी हालत बहुत गंभीर है। खून की प्यासी भीड़ हत्या के इरादे से उनके पास आई थी। उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें बेहतर इलाज के लिए ढाका भेजा गया है। ढाका में खोकन चंद्र दास का इलाज जारी इस हमले में 30% जलने के बाद खोकन चंद्र दास का ढाका में इलाज चल रहा है। उनकी पत्नी सीमा दास भी इस हमले से स्तब्ध हैं। अपनी गोद में शिशु को लिए वह बोलीं कि कैसे दास घर में घुसने ही वाले थे कि बदमाशों ने उन्हें पकड़ लिया और उन पर हमला कर दिया। पत्नी ने कहा, पति पर भीड़ ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। वह शांत स्वभाव के हैं। उनकी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं। 'अपराधी न्याय के कटघरे में आएं' सौरभ ने कहा, हमले की खबर मिलते ही वह तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां उनके चाचा की हालत गंभीर थी।

धर्मशाला में छात्रा की मौत के मामले का यूजीसी ने लिया संज्ञान, फैक्ट-फाइंडिंग समिति बनाने का लिया फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूजीसी ने हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में छात्रा की मौत के मामले का संज्ञान लिया है और एक फैक्ट फाइंडिंग समिति बनाने का फैसला लिया है। यूजीसी ने कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने धर्मशाला के एक सरकारी डिग्री कॉलेज में छात्रा की आत्महत्या के मामले पर संज्ञान लिया है। यूजीसी ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए एक फैक्ट फाइंडिंग समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। आयोग ने आश्वासन दिया कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई

की जाएगी। यूजीसी ने स्पष्ट किया कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोपरि है और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। पीड़िता के पिता ने की न्याय की मांग पीड़िता के पिता ने कहा, यह हमारे लिए बहुत कठिन समय है क्योंकि मेरी बेटी की मौत हो गई है। कॉलेज के प्रोफेसर ने उसे प्रताड़ित किया। आपने वीडियो भी देखा होगा, जिसमें उसने घटना के बारे में सब कुछ बताया है। कॉलेज प्रशासन को शर्म आनी चाहिए। हम अपने बच्चों को पढ़ने के लिए कॉलेज भेजते हैं। कॉलेज की अन्य छात्राओं का क्या होगा? मेरी बेटी ने मुझे फोन करके बताया था कि अन्य छात्राओं ने उसे पीटा है। जब हम उसे घर लाए, तो वह बहुत घबराई हुई थी। उसे बुरी तरह पीटा गया और इतना प्रताड़ित किया गया कि वह अवसाद में चली गई। लुधियाना में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मुझे न्याय चाहिए। पुलिस ने मामले पर क्या कहा? कांगड़ा के पुलिस निरीक्षक (एसपी) अशोक रतन ने बताया, कॉलेज की छात्रा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने यौन उत्पीड़न और रैगिंग का मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा, हमें शिकायत मिली और उसकी जांच के बाद कल शाम को बीएनएस के रैगिंग अधिनियम की धारा 115, 3 (5) और 75 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मृतक छात्रा धर्मशाला की निवासी थी। चूंकि जांच प्रारंभिक चरण में है, इसलिए संकाय सदस्यों के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों और सहकर्मियों के खिलाफ रैगिंग के आरोपों से संबंधित तथ्यों पर विचार किया जा रहा है और उनकी पुष्टि की जा रही है। एसपी ने कहा, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से 20 तारीख को दर्ज कराई गई इस घटना की जांच में यौन उत्पीड़न के आरोप शामिल नहीं थे। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, हम उनका संज्ञान लेंगे और उन पर कड़ी कार्रवाई करेंगे। जांच प्रतिदिन के आधार पर की जाएगी।

ममदानी का पारदर्शी प्रशासन-किफायती आवास का संकल्प, परिवार का जताया आभार; इस्त्राइल ने लगाया आरोप

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के 112वें मेयर के रूप में शपथ ली और सस्ते आवास, सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन का संकल्प लिया। अमेरिका के सबसे बड़े शहर का नेतृत्व करने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम नेता बनने पर उन्होंने परिवार और पत्नी का आभार जताया। इसी बीच इस्त्राइल ने ममदानी पर गंभीर आरोप लगाए है। भारतवंशी जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क के 112वें मेयर के रूप में शपथ लेकर व्यापक, साहसिक और पारदर्शी प्रशासन व्यवस्था के साथ ही न्यूयॉर्कवासियों के लिए सस्ते आवास का एजेंडा लागू करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उन्होंने कंपाला से दिल्ली तक फैले अपने परिवार का शुक्रिया भी अदा किया। वह अमेरिका के सबसे बड़े शहर का नेतृत्व करने वाले पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम नेता हैं। ममदानी बोले, संभव है कि हम हमेशा सफल न हों, लेकिन हम पर प्रयास न करने का आरोप नहीं लगेगा। शुक्रवार को न्यूयॉर्कवासियों को संबोधित करते हुए

अपने 25 मिनट के भाषण में ममदानी ने संकल्प लिया कि उनके प्रशासन के तहत सिटी हॉल सुरक्षा, सामर्थ्य और समृद्धि का एजेंडा लागू करेगा, जहां सरकार उन लोगों की तरह दिखेगी और जिएगी जिनका वह प्रतिनिधित्व करती है। मां-पिता ने जीने का तरीका सिखाया ममदानी ने कहा, मुझे पालने-पोसने, इस दुनिया में जीने का तरीका सिखाने और इस शहर में लाने के लिए मेरे माता-पिता और बाबा को धन्यवाद। कंपाला से दिल्ली तक मेरे परिवार का आभार और मेरी पत्नी रमा दुवाजी को धन्यवाद जो हमेशा मुझे रोजमर्रा की चीजों में सुंदरता दिखाती हैं। उन्होंने कहा, नया साल आशा और वादों के एक नए युग की शुरूआत लेकर आया है। ममदानी पर इस्त्राइल ने लगाया एंटीसेमिटिज्म का आरोप इसी बीच न्यूयॉर्क सिटी के नए मेयर जोहरान ममदानी ने शपथ लेने के बाद अपने पहले ही दिन दो पुराने आदेश रद्द कर दिए, जो शहर की एजेंसियों को इस्त्राइल का बहिष्कार न करने और इस्त्राइल की आलोचना को एंटीसेमिटिक मानने के लिए बाध्य करते थे।

तक्षशिला के पास खोदाई में मिला भारत का प्राचीन इतिहास

दुर्लभ सिक्कों और पत्थरों में सभ्यता की झलक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पुरातत्वविदों ने तक्षशिला के पास प्राचीन भीर टीले में ईसा पूर्व छठी शताब्दी के लैपिस लाजुली सजावटी पत्थर और दूसरी शताब्दी के कुषाण काल के कांस्य सिक्के खोजे। सिक्कों पर सम्राट वासुदेव की छवि अंकित मिली, जो क्षेत्र पर उनके शासन का प्रमाण देती है। पाकिस्तान के पुरातत्वविदों को ऐतिहासिक तक्षशिला शहर के पास यूनेस्को-सूचीबद्ध स्थल की खोदाई के दौरान दुर्लभ सजावटी पत्थर और सिक्के मिले हैं। इससे भारत की प्राचीन सभ्यता की सबसे प्रारंभिक शहरी बस्ती की एक दुर्लभ झलक मिली है। पुरातात्विक महत्व की ये वस्तुएं प्राचीन भीर टीले पर मिली हैं। विशेषज्ञों ने ईसा पूर्व छठी शताब्दी के सजावटी पत्थर और दूसरी शताब्दी के सिक्के बरामद किए। अधिकारियों ने इसे यहां हुई सबसे अहम खोज बताया है। समाचार पत्र डॉन ने अपनी एक खबर में कहा कि विशेषज्ञों ने जिन सजावटी पत्थरों के टुकड़े बरामद किए उनकी पहचान लैपिस लाजुली के रूप में की गई है। इसके साथ ही कुषाण

वंश से संबंधित दुर्लभ कांस्य सिक्के भी मिले हैं, जिससे प्राचीन गांधार के भौतिक इतिहास को एक नया आयाम मिला है। पंजाब पुरातत्व विभाग के उप निदेशक आसिम डोगर ने कलाकृतियों के प्रारंभिक विश्लेषण की पुष्टि की। डोगर उत्खनन दल के प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, सजावटी पत्थर लैपिस लाजुली हैं जो एक बहुमूल्य पत्थर है, जबकि सिक्के कुषाण काल के हैं। सिक्कों पर सम्राट वासुदेव की छवि भी मिली उत्खनन दल ने धात-कलाकृतियों की आयु निर्धारित करने के लिए विशेष फॉरेंसिक मदद ली। पंजाब पुरातत्व विभाग के मुताबिक, पेशावर विवि के विशेषज्ञों द्वारा किए गए मुद्रा विश्लेषण से पुष्टि हुई है कि सिक्कों पर सम्राट वासुदेव की छवि अंकित है। इतिहासकार वासुदेव को इस क्षेत्र पर शासन करने वाला अंतिम कुषाण शासक मानते हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।